संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025
RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक -34 गुरूवार ,05 दिसम्बर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

देश की संक्षिप्त खबरें

पूर्व डिप्टी सीएम सुखबीर बादल पर जानलेवा हमला

» स्वर्ण मंदिर में फायरिंग से बाल-बाल बचे...

अमृतसर,04 दिसम्बर 2024(ए)। पंजाब के पूर्व उप-मुख्यमंत्री और शिरोमणि अकाली दल के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल पर बुधवार सुबह जानलेवा हमला हुआ। अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर में उनके ऊपर फायरिंग की गई, लेकिन वह इस हमले में बाल-बाल बच गए। हमले के वक्त बादल पैर धोकर सेवा करने के लिए अंदर जा रहे थे। अचानक गोली चलने से मंदिर में अफरा-तफरी मच गई।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, घटना के दौरान सुखबीर सिंह बादल को तत्काल सुरक्षा घेरे में ले लिया गया। सुरक्षाबलों ने स्थिति को कंट्रोल किया और सुखबीर बादल को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। बताया जा रहा है कि सुरक्षाकर्मियों ने हमलावर को हिरासत में ले लिया है।

वापस लौटा राहुल गांधी का काफिला

संभल जाने की नहीं मिली इजाजत

नई दिल्ली,04 दिसम्बर 2024(ए)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा बुधवार को संभल के लिए निकले थे अब उनके काफिले को वापस दिल्ली भेज दिया गया है। वे अब दिल्ली लौट रहे हैं और बताया जा रहा है कि वह अब संसद भवन जाएंगे। राहुल और प्रियंका गांधी के साथ कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल, केएल शर्मा, उज्जल रमन सिंह, तनुज पूनिया और इमरान मसूद भी हैं। राहुल और प्रियंका, पिछले दिनों हुई हिंसा में मारे गए लोगों से मुलाकात करने के इरादे से जाना चाहते हैं। हालांकि, स्थानीय प्रशासन ने संभल में 10 दिसंबर तक नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं के प्रवेश पर बैन है।

रेलवे की क्षमता में होगा बड़ा इजाफा

नई दिल्ली,04 दिसम्बर 2024(ए)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 1989 के रेलवे अधिनियम के साथ 1905 के भारतीय रेलवे बोर्ड अधिनियम को एकीकृत करने के प्रावधान वाला एक विधेयक बुधवार को लोकसभा में पेश किया और कहा कि इसके पारित होने से रेलवे की क्षमता में इजाफा होगा। वैष्णव ने रेल संशोधन विधेयक, 2024' को सदन में चर्चा और पारित करने के लिए पेश किया।

देवेंद्र फडणवीस ही होंगे महाराष्ट्र के अगले सीएम

» शिंदे डिप्टी सीएम बनने को तैयार...

» लेकिन गृह मंत्रालय पर अभी भी अड़े...

मुंबई,04 दिसम्बर 2024(ए)। देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री होंगे। फडणवीस ने शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे, एनसीपी लीडर अजित पवार के साथ राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन के सामने सरकार बनाने का दावा पेश किया। इस दौरान भाजपा के ऑब्जर्वर्स विजय रूपाणी और निर्मला सीतारमण भी मौजूद थे।

इसके बाद फडणवीस, शिंदे और पवार ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। फडणवीस और शिंदे दोनों ने कहा कि कितने और कौन-कौन मंत्री शपथ लेंगे,इसकी जानकारी दे दी जाएगी। शपथ ग्रहण का कार्यक्रम कल 5:30 बजे आजाद मैदान में होगा। फडणवीस ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में यह कार्यक्रम होगा।

महायुति की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद देवेंद्र फडणवीस सीएम हाउस पहुंचे। यहां उनकी एकनाथ शिंदे के साथ 45 मिनट मीटिंग हुई। सूत्रों ने दावा किया कि एकनाथ शिंदे डिप्टी सीएम बनने तो तैयार हो गए हैं, लेकिन अभी भी वह गृह मंत्रालय के लिए अड़े हैं।

शिंदे बोले...इस बार मैं फडणवीस का नाम ले रहा हूं...

एकनाथ शिंदे ने कहा- मुझे क्या मिल रहा है, यह सवाल ही नहीं था। हमारे मन में सिर्फ यह भावना थी कि महाराष्ट्र को क्या मिला। इसी पर हमने काम किया। महायुति में कोई ऊंच-नीच नहीं है। सब ठीक है। पिछली बार देवेंद्र फडणवीसजी ने मेरे नाम की सिफारिश की थी। इस बार मैं उनका नाम मुख्यमंत्री के तौर पर ले रहा हूं। इससे पहले भाजपा विधायक दल की बैठक में देवेंद्र फडणवीस को नेता चुना गया। इसके बाद फडणवीस मुख्यमंत्री आवास वर्षा पहुंचे, यहां शिंदे और पवार के साथ बातचीत की। महायुति की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद देवेंद्र फडणवीस सीएम हाउस पहुंचे। यहां उनकी एकनाथ शिंदे के साथ 45 मिनट मीटिंग हुई। सूत्रों ने दावा किया कि एकनाथ शिंदे डिप्टी सीएम बनने तो तैयार हो गए हैं, लेकिन अभी भी वह गृह मंत्रालय के लिए अड़े हैं।

अजित की बात पर हंस पड़े सभी नेता

मीडिया ने सवाल पूछा कि शिंदे और पवार डिप्टी सीएम की शपथ लेंगे। इस पर अजित पवार ने कहा-कोई ले रहा है, या नहीं, ये अलग बात है। इन लोगों का शाम तक तय होगा पर मैं तो कल शपथ ले रहा हूं यह तय है। इस पर शिंदे ने कहा कि अजित दादा को दिन में और शाम को शपथ लेने का अनुभव है।

फडणवीस बोले... हम तीनों एक

देवेंद्र फडणवीस ने कहा- हम तीनों नेता एक हैं। डिप्टी सीएम और सीएम सिर्फ तकनीकी पद हैं। कौन-कौन शपथ लेगा, ये बता दिया जाएगा। मैंने एकनाथ जी से सरकार में शामिल होने और डिप्टी सीएम बनने का अनुरोध किया था।

फडणवीस कैबिनेट में शिंदे डिप्टी सीएम बनेंगे

शिवसेना के सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि एकनाथ शिंदे डिप्टी सीएम बनने के लिए मान गए हैं। कल वे अजित पवार के साथ डिप्टी सीएम बनेंगे। फडणवीस कैबिनेट में दो डिप्टी सीएम होंगे। अजित पवार और एकनाथ शिंदे।

मैं अपने निजी काम से दिल्ली गया:अजित पवार

अजित पवार ने कहा, मैं बता दूं कि मैं दिल्ली अपने पर्सनल काम से कहा था। कुछ लोगों ने कहा कि मैं वहां बैठक करने गया था, लेकिन ऐसा नहीं है। शपथ ग्रहण के लिए नहीं गया था। महाराष्ट्र के विकास के लिए ही हम काम करेंगे। हमारा फोकस यही है। इसी को लेकर हम आगे बढ़ेंगे। हम महायुति की सरकार बनाने जा रहे हैं। यह बहुमत हमें विकास की ओर लेकर जाएगा। नाराजगी, मनाने-रूठने जैसी कोई बात ही नहीं है, क्योंकि हमारे पास बहुतत है।देवेंद्र फडणवीस को बीजेपी विधायक दल की बैठक में नेता चुन लिया गया, जिसके बाद ठाणे में भाजपा कार्यालयों में लड्डू बांटे और पटाखे फोड़े।

मुझे क्या मिला नहीं,महाराष्ट्र को क्या मिला,यही भावना थी:एकनाथ शिंदे

एकनाथ शिंदे ने कहा, हमने वादा किया था कि जो भी फैसला लिया जाएगा, उसका मैं समर्थन करूंगा। मैंने वही किया है। महायुति को इतना बड़ा बहुमत कभी नहीं मिला था, ये ऐतिहासिक है। बहनों-भाइयों का धन्यवाद। मुझे क्या मिला ये सवाल नहीं है, महाराष्ट्र को क्या मिला, यही भावना हमारे मन में थी। महायुति में कोई ऊंच-नीच नहीं है। फडणवीस घर आए, ये उनका बड़प्पन है।

महायुति के 31 नेता ले सकते हैं मंत्रिपद की शपथ

महाराष्ट्र चुनाव के नतीजे 23 नवंबर को आए थे। महायुति यानी भाजपा-शिवसेना शिंदे-एनसीपी पवार को 230 सीटों का भारी बहुमत मिला। हालांकि, भाजपा की ओर से देवेंद्र फडणवीस का सीएम बनना तय माना जा रहा है। महायुति यानी भाजपा, शिवसेना शिंदे और एनसीपी में एक सीएम और दो डिप्टी सीएमका फॉर्मूला तय किया गया है। एनपीसी के 19, एनसीपी के 7 और शिवसेना के 5 नेता शपथ ले सकते हैं।

12 कुकी लोगों के शव परिजनों को भेजे गए थे,उनका आज होगा अंतिम संस्कार

» मिजोरम सीएम के सलाहकार होंगे शामिल

» कुकी युवकों का अंतिम संस्कार तब तक नहीं किया जाएगा जब तक कि उनकी पोस्टमार्टम रिपोर्ट उनके परिवारों को नहीं सौंप दी जाती...

जिरीबाम,04 दिसम्बर 2024 (ए)। जिरीबाम में सीआरपीएफ के साथ गोलीबारी में मारे गए 12 कुकी-जो लोगों के शव पोस्टमार्टम गृह से उनके परिजनों को भेज दिए गए हैं। गुरुवार को शवों का अंतिम संस्कार चुराचांदपुर जिले में किया जाएगा। कुकी-जो समुदाय के प्रमुख संगठन आईटीएलएफ ने बताया कि अंतिम संस्कार में मिजोरम के मुख्यमंत्री के सलाहकार एच गिन्जालाला भी शामिल होंगे। वहीं इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम (आईटीएलएफ) ने भी मृतकों के लिए सुबह 9.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक चुराचांदपुर में पूर्ण बंद का आह्वान किया है।

आईटीएलएफ के प्रवक्ता गिंजा वुआलजोंग ने कहा कि शवों को बुधवार दोपहर दो बजे उनके परिजनों के पास ले जाया गया। आज शवों का अंतिम संस्कार दिया जाएगा। इसलिए परिवार आखिरी रात उनके साथ बिताएगा। परिजन उनके शव गुरुवार सुबह लेकर आएंगे और उसके बाद सब कुछ योजना के अनुसार आगे बढ़ेगा।

आईटीएलएफ के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि मिजोरम के सीएम के सलाहकार गिंजालाला ने अपनी उपस्थिति की पुष्टि की है और यह हमारे लिए एक बड़ा समर्थन है। इससे साफ है कि संकट की इस घड़ी में मिजोरम सरकार हमारे साथ है। अंतिम संस्कार कार्यक्रम को दो सत्रों में विभाजित किया गया है। पहला सत्र सुबह 11 बजे तुइबुओंग के पीस ग्राउंड में शुरू होगा, जहां समाज के सभी वर्गों के लोग अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। दूसरा सत्र दोपहर दो बजे से सेहकेन स्थित शहीद कब्रिस्तान में होगा। जहां मृतकों को गांव के स्वयंसेवकों द्वारा बंदूक की सलामी दी जाएगी। इसके बाद शवों को दफना दिया जाएगा।

आईटीएलएफ ने पहले कहा था कि कुकी-जो युवकों का अंतिम संस्कार तब तक नहीं किया जाएगा जब तक कि उनकी पोस्टमार्टम रिपोर्ट उनके परिवारों को नहीं सौंप दी जाती। 16 नवंबर को शवों को सिलचर से चुराचांदपुर ले जाने के बाद उन्हें चुराचांदपुर जिला अस्पताल के मुर्दाघर में रखा गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद आईटीएलएफ ने 30 नवंबर को घोषणा की थी कि अंतिम संस्कार पांच दिसंबर को किया जाएगा।

पीएफआई के दिल्ली के अध्यक्ष को मिली जमानत

कोर्ट ने कहा नहीं बनता है मनी लांड्रिंग का

नई दिल्ली,04 दिसम्बर 2024 (ए)। दिल्ली हाई कोर्ट ने मनी लॉड्रिंग के मामले में प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के दिल्ली अध्यक्ष परवेज अहमद, महासचिव मोहम्मद इलियास और अब्दुल मुकीत को बेल दे दी है। कोर्ट का कहना है कि याचिकाकर्ताओं के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का अपराध नहीं बनता है। इस मामले में वर्तमान हालात में उन्हें आरोपित नहीं किया जा सकता है। अदालत ने स्पष्ट किया कि यह मामला अभी दस्तावेजों की आपूर्ति की प्रक्रिया के चरण में है। आरोप तय करने की प्रक्रिया बाकी है. दिल्ली हाई कोर्ट ने जमानत के आदेश पर कहा कि सभी आरोपियों पर यह आरोप है कि उन्होंने धन को एकत्र किया और उसे अकाउंटेंट या पीएफआई के खाते में जमा कराया। हालांकि कोर्ट ने इस बात को स्पष्ट कर दिया है कि इस केस में मनी लॉन्ड्रिंग का अपराध साबित नहीं होता है। इसके अलावा कोर्ट ने यह भी कहा कि याचिकाकार्ताओं के खिलाफ अभी तक किसी तरह का ठोस अपराधिक साक्ष्य नहीं मिल सका है, ताकि यह मामला मनी लॉन्ड्रिंग के तहत आने लायक हो सके। जमानत मिलने के बाद दिल्ली हाई कोर्ट ने पीएफआई के इन तीनों सदस्यों को 50-50 हजार रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही राशि की एक जमानत दी।

नेब सराय में हुए ट्रिपल मर्डर मामले में दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने केंद्र पर कसा तंज

नई दिल्ली,04 दिसम्बर 2024 (ए)। दिल्ली में लगातार होती घटनाओं को लेकर एक तरफ आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल लगातार केंद्र सरकार को घेरते हुए दिखाई दे रहे हैं, तो वहीं दूसरी तरफ आज सुबह दिल्ली के नेब सराय में हुए ट्रिपल मर्डर मामले में दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने सोशल मीडिया के जरिए केंद्र सरकार पर तंज कसा है।

आतिशी ने अपने पोस्ट में लिखा,आज सुबह नेब सराई में ट्रिपल मर्डर हुआ। दिल्ली में दिन दहाड़े हत्याएं हो रही हैं, गोलियां चल रही रही हैं, खुलेआम ड्रग्स बिक रहे हैं। केंद्र सरकार की दिल्ली में एक ही जिम्मेदारी है-दिल्ली वालों को सुरक्षा देना। वो अपनी ज़िम्मेदारी में पूरी तरह फेल हैं। गौरतलब है कि लगातार दिल्ली में लॉ एंड ऑर्डर की व्यवस्था को लेकर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय को घेरते हुए दिखाई देते हैं। अरविंद केजरीवाल के मुताबिक उन्हें जो काम दिल्ली में करना था, उन्होंने किया है। लेकिन एक काम जो सबसे महत्वपूर्ण था जिसकी जिम्मेदारी केंद्र सरकार के पास है, वह है दिल्ली की सुरक्षा व्यवस्था और लॉ एंड आर्डर। इसमें केंद्र सरकार फेल होती दिखाई दे रही है।अरविंद केजरीवाल के साथ-साथ पार्टी के अन्य नेता और खुद दिल्ली की मुख्यमंत्री केंद्र सरकार पर लगातार निशाना साध रहे हैं। अरविंद केजरीवाल अपनी पदयात्रा और जनसभाओं में दिल्ली पुलिस को उसकी नाकामी के लिए कोसते दिखाई दे रहे हैं। इसके साथ साथ अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में लॉ एंड आर्डर को लेकर सोशल मीडिया के जरिए भी भाजपा को लगातार घरा है। केजरीवाल सोशल मीडिया के जरिए दिल्ली में हो रही घटनाओं पर चिंता जाहिर करते हुए इसके लिए पुलिस को दोषी बता रहे हैं।

रांची और गिरिडीह में कमर्शियल बिल्डिंग और गोदामों में भीषण आग

रांची,04 दिसम्बर 2024(ए)। रांची शहर के मेन रोड से सटे लालजी हीरजी रोड स्थित एक कमर्शियल बिल्डिंग में बुधवार को सुबह करीब 10 बजे भीषण आग लग गई। इससे यहां कम से कम 12 दुकानें जलकर राख हो गई हैं। फायर ब्रिगेड के कई दस्ते आग बुझाने में जुटे हैं।

जिस बिल्डिंग में आग लगी है, वहां हार्डवेयर, बैटरी और प्लाई की कई दुकानें हैं। आग से इन दुकानों का करोड़ों का माल जलकर नष्ट हो गया है। बताया जा रहा है कि आग संभवतः एक दुकान में शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी और इसके बाद इसने तेजी से पूरी बिल्डिंग को अपनी चपेट में ले लिया। देखते-देखते ऊंची लपटें और धुएं का गुबार उठने लगा। इससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। गनीमत यह रही कि बिल्डिंग में मौजूद सभी लोग सुरक्षित बाहर निकल आए। दुकानदारों के साथ-साथ बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर मौजूद है। पुलिस और प्रशासन के अफसर भी पहुंचे हैं। लालजी हिरजी रोड शहर का बेहद व्यस्त इलाका है। यह व्यापारिक गतिविधियों का केंद्र है, लेकिन रोड संकरी होने की वजह से फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को पहुंचने में परेशानी का सामना करना पड़ा। दुकानदारों का कहना है कि आग पूरी तरह बुझाए जाने के बाद ही नुकसान का सही आकलन हो पाएगा।

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ का प्रदेश सरकार को सुझाव

निवेश लाने से पहले कानून व्यवस्था ठीक करें सरकार

भोपाल,04 दिसम्बर 2024(ए)। मध्य प्रदेश में निवेश लाकर प्रदेश के बेरोजगार युवाओं को नौकरी देने के लिए मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव निरंतर कार्य कर रहे हैं। वह देश से लेकर विदेश के दौर भी कर रहे हैं इस बीच मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने प्रदेश की मोहन सरकार को सुझाव दिया है। पूर्व सीएम कमलनाथ ने ट्वीट कर कहा, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बार-बार प्रदेश में बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित करने का दावा कर रहे हैं। इससे पहले भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्री भी 17 वर्षों तक इसी तरह के दावे करते रहे।इन दावों की हकीकत प्रदेश की जनता के सामने है। मुख्यमंत्री को सबसे पहले यह समझना होगा कि निवेश भरोसे से आता है, लेकिन प्रदेश में कानून व्यवस्था की जो हालत है, जिस तरह से महिलाएं, दलित, आदिवासी अत्याचार का शिकार हैं, किसान परेशान हैं और

नौजवान रोजगार केलिए दर-दर भटक रहे हैं, ऐसे हालात में भरोसा स्थापित नहीं हो सकता। दूसरी तरफ प्रदेश में पैसा दो काम लो का सिद्धांत भाजपा ने लागू कर रखा है।इन हालात में निवेश की घोषणा तो की जा सकती है, लेकिन वास्तविक निवेश जो कि प्रदेश में रोजगार को बढ़ाने वाला हो, उसे लाना मुश्किल है। इसलिए मुख्यमंत्री को मेरी सलाह है कि हेडलाइन मैनेजमेंट और इवेंटबाजी छोड़कर प्रदेश की कानून व्यवस्था पर ध्यान दें, जिससे जनता और निवेशक दोनों का भरोसा प्रदेश के ऊपर बने और प्रदेश में तरक्की और खुशहाली आए।

संपादकीय

पुलिस और जेल व्यवस्था

मुख्य मुद्दा यह है कि ये समस्या पैदा ही क्यों हुई है। स्पष्टतः इसकी जड़ें आपराधिक न्याय प्रक्रिया पर अमल से जुड़ी है। प्रश्न है कि क्या पुलिस और जेल व्यवस्था में बुनियादी सुधार के बिना कोई ठोस व्यावहारिक समाधान निकल सकता है? एलान सचमुच बड़ा है। आशा है कि इसके पीछे इरादा भी नेक होगा। इसके बावजूद जिस भावना से घोषणा हुई है, उसके जमीन पर उतर सकने को लेकर कुछ सवाल मौजूद हैं। एलान यह है कि ऐसे विचाराधीन कैदियों को रिहा किया जाएगा, जो अपनी संभावित सजा का एक तिहाई हिस्सा काट चुके हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने धीमी न्याय प्रक्रिया से निपटने के लिए नई पहल की घोषणा की।उन्होंने दो-टूक कहा कि छोटे अपराधों के आरोप में बंद ऐसे कैदियों को जमानत दी जाएगी, जिन्होंने अपनी संभावित सजा का एक-तिहाई हिस्सा काट लिया है।इसके पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पिछले वर्ष संविधान दिवस पर अपने भाषण में जेलों में बढ़ती भीड़ की ओर ध्यान खींचा था। उन्होंने न्याय की ऊंची लागत की समस्या का जिक्र करते हुए शासन की तीनों शाखाओं कार्यपालिका, न्यायपालिका और विधायिका से इसका समाधान खोजने की अपील की थी।बहरहाल, कुछ व्यावहारिक सवाल हैं। मुख्य मुद्दा यह है कि ये समस्या पैदा ही क्यों हुई है। स्पष्टतः इसकी जड़ें आपराधिक न्याय प्रक्रिया पर अमल से जुड़ी है। प्रश्न है कि क्या पुलिस और जेल व्यवस्था में बुनियादी सुधार के बिना कोई ठोस व्यावहारिक समाधान निकल सकता है? फिर मसले का संबंध न्यायपालिका से भी जुड़ता है।न्यायपालिका में जजों की भारी कमी और जमानत के मौजूदा धन-आधारित मॉडल का विकल्प ढूंढे बिना उपरोक्त नेक इरादे को अमली जामा पहना सकना कठिन हो सकता है।दरअसल,आधुनिक न्याय व्यवस्था में जैसाकि कहा जाता है, बेल नियम और जेल अपवाद होना चाहिए। यानी जमानत मिलना सभी मामलों में सामान्य नियम होना चाहिए।मगर कई ऐसे मामले हैं, जिनमें राजनीतिक मकसदों से व्यक्तियों पर गंभीर इल्जाम मढ़ दिए जाते हैं। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में यह चलन ज्यादा ही बढ़ गया है। ऐसे मामलों का क्या समाधान होगा? यानी समस्या का एक सूत्र सरकार के अपने नजरिए में भी है। कुल नतीजा जेलों में भारी भीड़ है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2024 की शुरुआत तक 1,34,799 लोग सुनवाई के इंतजार में जेलों में बंद थे, जिनमें से 11,448 पांच साल से ज्यादा समय से बिना सजा के जेल में हैं।

वाहनों की पार्किंग के संकट से जूझते शहर

डॉ सत्यवान सौरभ
बड़वा (सिवानी)
भिवानी,हरियाणा

यह ज़रूरी नहीं है कि अच्छा सार्वजनिक परिवहन यातायात की भीड़ को काफ़ी कम कर दे। भीड़भाड़ की स्थिति में सुधार करने के लिए, शहरों को निजी कारों के स्वामित्व और उपयोग के कार्यात्मक,मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक मूल्यों को लक्षित करने वाली गतिविधियों के साथ ही अपनी सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों को बेहतर बनाने के प्रयासों को मिलाकर काम करना होगा। वाहनों की भीड़ और अपर्याप्त पार्किंग सुविधाएँ भारत के बड़े और महानगरीय शहरों के लिए लगातार बड़ी हो रही चुनौतियाँ हैं, जिनकी वज़ह से गतिशीलता गंभीर रूप से प्रभावित हो रही है। संवैधानिक आदेशों की वज़ह से सीमित होने के बावजूद, कई भारतीय शहर पार्किंग नीतियों के माध्यम से इस समस्या को हल करने की कोशिश कर रहे हैं, जिसमें विनियमन, प्रबंधन के एक उपकरण के रूप में मूल्य निर्धारण, नई तकनीक़ और सड़क से इतर (ऑफ़-स्ट्रीट) पार्किंग प्रावधानों पर ध्यान केंद्रित किया गया है...

भारत में वाहन पार्किंग की समस्या एक महत्त्वपूर्ण शहरी चुनौती है, जो न केवल यातायात के प्रवाह को प्रभावित करती है, बल्कि शहरी जीवन के मूल ढांचे को भी प्रभावित करती है। यह समस्या, तेजी से बढ़ते शहरीकरण, बढ़ते वाहन स्वामित्व और पुरानी शहरी नियोजन के संयोजन से उत्पन्न होती है, जो महानगरीय क्षेत्रों में यातायात प्रबंधन,शहरी नियोजन और जीवन की गुणवत्ता के लिए एक जटिल दुविधा पैदा करती है। शहरों के विस्तार और कार स्वामित्व के अधिक सुलभ होने के साथ, भारतीय शहरी केन्द्रों को वाहनों की बढ़ती संख्या को समायोजित करने में संघर्ष करना पड़ रहा है। पर्याप्त पार्किंग इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी और आज के समय में वाहनों की संख्या के हिसाब से शहरों को डिज़ाइन न किए जाने के कारण बड़े पैमाने पर अवैध पार्किंग होती है। इससे न केवल सड़कें जाम होती हैं, बल्कि पैदल चलने वालों के लिए बनी जगह भी कम पड़ जाती है। कई भारतीय शहरों की स्थापना प्राचीन या औपनिवेशिक काल में हुई थी, लेकिन उनकी योजना आधुनिक यातायात की मांग को ध्यान में रखकर नहीं बनाई गई थी। संकरी गलियाँ और मिश्रित भूमि उपयोग के कारण पार्क किए गए और चलते वाहनों के भार से दबाव पड़ता है। इसके अतिरिक्त, पार्किंग नियमों का ढीला-ढाला क्रियान्वयन तथा गैर-अनुपालन के प्रति सांस्कृतिक प्रवृत्ति स्थिति को और बिगाड़ देती है, जिससे शहरी स्थान अव्यवस्थित हो जाते हैं।

पार्किंग की समस्या का सीधा परिणाम गंभीर यातायात भीड़ है, जिसके कारण यात्रा का समय बढ़ जाता है, प्रदूषण का स्तर बढ़ जाता है, तथा शहरी जीवन की गुणवत्ता में गिरावट आती है। पैदल चलने वालों को विशेष रूप से परेशानी होती है, क्योंकि पार्क किए गए वाहन अक्सर पैदल चलने के रास्तों पर अतिक्रमण कर लेते हैं, जिससे उन्हें मजबूरन सड़कों पर आना पड़ता है और उनकी सुरक्षा से समझौता होता है। आर्थिक दृष्टि से, पार्किंग की कमी स्थानीय व्यवसायों को प्रभावित करती है, क्योंकि भीड़भाड़ वाली सड़कें ग्राहकों को आकर्षित नहीं करती हैं। पार्किंग स्थल की उच्च मांग से अचल संपत्ति की लागत भी बढ़ जाती है, जिससे हरित स्थलों की क़ीमत पर पार्किंग अवसंरचना के विकास को बढ़ावा मिलने से शहरी विस्तार और पर्यावरण क्षरण को बढ़ावा मिलता है। भारत में मोटर वाहनों से सम्बंधित मामले केंद्र और राज्य दोनों के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। हालांकि भारत के शहरों के लिए वाहनों की बढ़ती भीड़ एक उभरती हुई समस्या है, लेकिन ऑटोमोबाइल उद्योग पर प्रतिबंध लगने की कोई संभावना नहीं है, क्योंकि इसकी आर्थिक और रोज़गार देने की क्षमता काफ़ी ठीक है और यह भारत के लिए महत्त्वपूर्ण है। सभी पांच शहरों की पार्किंग नीतियाँ कुछ महत्त्वपूर्ण पहलुओं पर सहमत होती दिखती हैं। वे इस बात पर एकमत हैं कि पार्किंग मुफ़्त नहीं हो सकती और जहाँ भी सार्वजनिक स्थान का उपयोग किया जाता है, वहाँ शुल्क लिया जाना चाहिए क्योंकि मुफ़्त पार्किंग की अवधारणा टिकाऊ नहीं है।

पार्किंग समस्या के समाधान के लिए एक व्यापक रणनीति की आवश्यकता है जिसमें पर्याप्त पार्किंग अवसंरचना का विकास, स्मार्ट पार्किंग प्रौद्योगिकियों को अपनाना और पार्किंग विनियमों का प्रवर्तन शामिल हो। उदाहरण के लिए, पार्किंग क्षेत्रों को परिभाषित करना और वाहन पहचान सेंसर और स्वचालित लाइसेंस प्लेट पहचान जैसी तकनीक का उपयोग करके पार्किंग प्रबंधन को सुव्यवस्थित किया जा सकता है। इसके अलावा, भूमि मूल्य और भीड़भाड़ के आधार पर पार्किंग शुल्क को समायोजित करके भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में अनावश्यक वाहन उपयोग को हतोत्साहित किया जा सकता है। बुनियादी ढांचे के समाधान के अलावा, सार्वजनिक परिवहन और टिकाऊ शहरी गतिशीलता प्रथाओं को बढ़ावा देने से पार्किंग दबाव कम हो सकता है। सार्वजनिक परिवहन, साइकिल और पैदल चलने के उपयोग को प्रोत्साहित करने से निजी वाहनों पर निर्भरता कम हो सकती है, जिससे पार्किंग स्थलों की मांग कम हो सकती है। यह ज़रूरी नहीं है कि अच्छा सार्वजनिक परिवहन यातायात की भीड़ को काफ़ी कम कर दे। भीड़भाड़ की स्थिति में सुधार करने के लिए, शहरों को निजी कारों के स्वामित्व और उपयोग के कार्यात्मक, मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक मूल्यों को लक्षित करने वाली गतिविधियों के साथ ही अपनी सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों को बेहतर बनाने के प्रयासों को मिलाकर काम करना होगा। भारत में वाहन पार्किंग की समस्या एक जटिल मुद्दा है जिसके लिए बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जिसमें शहरी नियोजन, नीति सुधार, तकनीकी नवाचार और सांस्कृतिक परिवर्तन शामिल हैं। इस चुनौती से सीधे निपटकर, भारत अपनी शहरी गतिशीलता को बढ़ा सकता है, अपने नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार कर सकता है और टिकाऊ शहरी विकास के लिए एक मिसाल क़ायम कर सकता है। आगे का रास्ता सरकार, निजी क्षेत्र और जनता के बीच बेहतर शहरी स्थानों की पुनर्कल्पना और पुनर्निर्माण के लिए सहयोगात्मक प्रयासों में निहित है।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

विपक्ष संभल पर आक्रमक तो बांग्लादेश पर खामोश क्यों

संजय सक्सेना,
लखनऊ,उत्तरप्रदेश

उत्तर प्रदेश के जिला संभल में जामा मस्जिद और हरिहर मंदिर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसकी आहट सुप्रीम अदालत से नेताओं के विवादित बयानों से लेकर राजनैतिक गलियारों तक में सुनाई दे रही है। बीजेपी को छोड़कर सभी राजनैतिक दलों के नेता जामा मस्जिद और पत्थरबाजों के पैरोकार बनकर खड़े हो गये हैं। हाथ में पत्थर और तमंचे लेकर पुलिस पर हमला करने वालों के पक्ष में खड़े यह नेता लगातार योगी सरकार और स्थानीय प्रशासन के खिलाफ हमलावर हैं। सभी दलों के नेताओं ने संभल को अपना पिकनिक स्पाट बना लिया है। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी हों या फिर समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव जैसे तमाम नेता कभी संभल कूच करने का नाटक करते हैं तो कभी अफवाह फैलाकर माहौल खराब कर रहे हैं। संभल के बिगड़े हालात को संभालने के लिये स्थानीय प्रशासन ने 10 दिसंबर तक जिले में बाहरी लोगों के प्रवेश पर प्रतिबंद्ध लगा रखा है,लेकिन बीजेपी विरोधी नेताओं को जिले में शांति बरकरार हो इससे ज्यादा चिंता अपनी राजनीति चमकाने की है। इस समय संभल में सियासी नजरा ठीक वैसे ही नजर आ रहा है जैसा कभी अयोध्या प्रभु श्रीराम लला के मंदिर निर्माण आंदोलन, मथुरा में श्री कृष्ण भगवान की जन्म स्थली एवं वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद बनाम साक्षात विश्वनाथ मंदिर मामले में देखने को मिला था और मिल रहा है। संभल विवाद और इसको लेकर हिंसा का मामला लोकसभा तक में गूंज चुका है।

कुल मिलाकर संभल विवाद के सहारे सपा प्रमुख अखिलेश यादव,कांग्रेस नेता राहुल गांधी के अलावा ओवैसी जैसे नेता भी अपनी सियासत चमकाने में लगे हैं। मगर अफसोस की बात यह है कि संभल मामले में मोदी-योगी सरकार को घेरने में लगे दल और नेता बांग्लादेश में हिन्दुओं के साथ जारी हिंसा को लेकर अपने होंठ सिले हुए हैं,मानो यदि इन नेताओं ने बांग्लादेश के हिन्दुओं के पक्ष में कोई बयान दे दिया तो उनका मुस्लिम वोट बैंक उनसे खिसक जायेगा। हां, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जरूर बांग्लादेशी हिन्दुओं के प्रति खुल कर बोल रही हैं। ममता ने मोदी सरकार से सख्त कदम उठाने की भी बात कही है। वहीं बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा और इस्कॉन से जुड़े संत चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के विरोध में सोमवार 02 दिसंबर को बंगाल में भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं, आम लोगों, भिक्षुओं ने आंदोलन किया। इन लोगों ने बांग्लादेश की सीमा पर पहुंचकर तमाम ट्रकों को रोके रखा, जो माल लेकर जा रहे थे। इसके चलते लगभग पूरे दिन ही बांग्लादेश के साथ कारोबार प्रभावित रहा। हजारों लोगों ने चिन्मय कृष्ण दास की बिना शर्त रिहाई की मांग को लेकर भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा के पेट्रोपोल पर 24 घंटे के लिए मालवाहक वाहनों को रोके रखा।प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जब तक बांग्लादेश सरकार हिंदुओं और उनके मंदिरों पर हमले रोकने के लिए कार्रवाई नहीं करती तथा श्री दास को रिहा नहीं करती, तब तक पेट्रापोल सीमा पर आंदोलन जारी रहेगा। अखिल भारतीय संत समिति के बंगाल चौप्टर के अध्यक्ष स्वामी परमात्मानंद ने भी कहा कि जब तक बंगलादेश की पुलिस हिंदुओं और मंदिरों पर हो रहे हमले को रोकने के लिए कार्रवाई नहीं करती, तब तक पेट्रापोल सीमा पर उनका आंदोलन जारी रहेगा।

आश्चर्य तो इस बात का भी जो विदेशी एजेंसियां हिन्दुस्तान में मुसलमानों पर अत्याचार के मनगढ़त मामले बनाकर हो हल्ला मचाते हैं,उन्हें बंग्लादेश में हिन्दुओं के साथ हो रहा खून खराब नहीं दिख रहा है। बांग्लादेश में हिंदुओं

के साथ हो रही हिंसा के मामले में मोदी सरकार ने जरूर चिंता जताई है और बांग्लादेश सरकार से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा करने की मांग की है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने संसद में कहा था कि केंद्र सरकार ने बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के ख़िलाफ़ हिंसा की घटनाओं को गंभीरता से लिया है। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा करना बांग्लादेश सरकार की ज़िम्मेदारी है। इसके अलावा,भारत ने बांग्लादेश सरकार से हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर हमलों के मुद्दे को लगातार उठाने की मांग की है। अच्छी बात यह है कि भले ही देश के नेता बांग्लादेशी हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार से दूरी बनाकर चल रहे हों लेकिन बंग्लादेश की अपदस्थ की गई पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना लगातार बांग्लादेश में हिन्दुओं पर किये जा रहे अत्याचार के खिलाफ मुखर हैं। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं के खिलाफ हिंसा का दौर जारी है। दुनिया भर में कृष्ण भक्ति का प्रचार-प्रसार करने वाली संस्था आइसकौन से जुड़े संत चिन्मय कृष्णदास को जेल भेजा गया है। उन पर हिंसा भड़काने के आरोप लगाए गए हैं। इसके खिलाफ भी बांग्लादेश में हिंदुओं के बीच गुस्सा है। इस बीच पूर्व पीएम शेख हसीना ने आरोप लगाया है कि बांग्लादेश में हिन्दुओं केहे नरसंहार के जिम्मेदार अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस हैं। शेख हसीना ने तो मोहम्मद यूनुस को बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही हिंसा का मास्टरमाइंड बताया है।

शेख हसीना ने अवामी लीग के एक कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि मंदिरों, चर्चों पर हमले के पीछे मोहम्मद यूनुस का हाथ है। वह इन घटनाओं के पीछे मास्टरमाइंड की तरह काम कर रहे हैं। 5 अगस्त को तख्तापलट के बाद भारत आईं शेख हसीना ने कहा कि आज मेरे ऊपर आरोप लगाए जाते हैं कि मैंने नरसंहार कराया है। लेकिन असलियत यह है कि मोहम्मद यूनुस ऐसा कर रहे हैं। वह पूरे डिजाइन के साथ काम कर रहे हैं। छात्र संगठनों के नाम पर वह सत्ता में हैं और अब अल्पसंख्यकों की हत्याएं कराई जा रही हैं। वह इसके मास्टरमाइंड हैं। यहां तक कि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के लीडर तारिक रहमान भी कह चुके हैं कि हत्याएं जारी रहीं तो सरकार नहीं चलेगी। बता दें कि तारिक रहमान बांग्लादेश नेशनल पार्टी की नेता बेगम खालिदा जिया के बेटे हैं। बांग्लादेश में जब तक शेख हसीन की सरकार रही तब तक बंग्लादेश और भारत के संबंध काफी अच्छे थे। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार बनने के बाद से पाकिस्तान की ओर झुकाव बढ़ा है। बंग बंधु मीजबुर रहमान की प्रतिमा पर हमला हुआ था और उनकी तस्वीरों को दफ्तरों से हटाया गया है। यही नहीं बांग्लादेश निर्माण के नायकों से जुड़े दिनों पर छुट्टियों को भी रद्द किया गया है। हिंदुओं पर भी यह कहते हुए हमले हो रहे हैं कि ये शेख हसीना की सरकार के समर्थक थे। कई बड़ी हिंदू हस्तियों के घरों और आराधनों स्थलों तक पर अटैक की घटनाएं हुई हैं। दरअसल, बांग्लादेश में जहां सन् 1947 तक 40 फीसद से कहीं अधिक हिंदू जनसंख्या निवास कर रही थी। यहां के सभी 65 जिलों में हिन्दू आबादी निवास करती है। इन कारणों का विचार करें तो वर्तमान का बांग्लादेश जिस भूमि पर अवस्थित है वो अतीत के कई भारतीय रजवाड़ों की भूमि से मिलकर बना है। इससे असम के अहोम, मेघालय के जयंतिया और त्रिपुरा के त्रिपुरी हिंदू राजशाही का भी कुछ हिस्सा रहा है।

खैर जामा मस्जिद या हरिहर मंदिर विवाद के मामले में गैर बीजेपी दलों के नेता जिस तरह से जमीन आसमान एक किये हुए हैं,उसकी तह में जाया जाये तो जो हकीकत सामने आती है उसके अनुसार मुरादाबाद गजेटियर 1968 के प्रकाशन में हरिहर मंदिर का निर्माण पृथ्वीराज चौहान के द्वारा करवाया गया था जिसे बाद में मुग़ल शासकों द्वारा तोड़ दिया गया था। गजेटियर में लिखा गया है कि जामा मस्जिद का भवन हिंदू मंदिर जैसा है। दावा किया गया है कि प्राचीन टीले पर बना भवन, जो कि बाबर मस्जिद के नाम से जाना जाता है वह हरिहर मंदिर हो सकता है। आईने अकबरी में भी विष्णु मंदिर होने का जिक्र है। मौजूदा समय में इस भवन को बाबर मस्जिद कहा जाता है। साथ ही लिखा गया है कि मस्जिद का प्रारूप हिंदू मंदिर जैसा है. गजेटियर के मुताबिक भवन तक पहुंचने के लिए 55 सीढ़ियां है. वहां एक बड़ा टैंक एवं प्रवेश द्वार पर कुआं है। भवन में मौजूद फारसी अभिलेख को मुरादाबाद गजेटियर में संदेहास्पद बताया गया है, जिसके मुताबिक इसका निर्माण 1526 में हिंदू बेग द्वारा बाबर के आदेश पर करवाया गया था। हालांकि विवाद सामने आने के बाद कई तरह के दावे सामने आ रहे हैं। लब्बोलुआब यह है कि न जाने हमारे देश के नेता कौन सा चश्मा लगाते हैं जिसकी वजह से उन्हें दुनिया के किसी भी कोने में मुस्लिमों के साथ होने वाला कथित अन्याय तो दिखता है,लेकिन देश-दुनिया में हिन्दुओं के साथ होने वाली हिंसा नजर नहीं आती है।

कविता
व्यथा युवाओं की

घटती-घटना

प्रिया देवांगन प्रियु
राजिम,गरियाबंद छत्तीसगढ़

दिन रात पढ़ें लिखें, रोज कुछ नया सीखें,
युवा नित ऊँचे-ऊँचे, सपने सजाते हैं।
मोटी-मोटी सी किताब, रखते नहीं हिसाब,
नींद-चैन खान-पान, दाँव पे लगाते हैं।।
अपना शहर छोड़ें, दूर देश नाता जोड़ें,
नदियों की धारा जैसे, पैसे भी बहाते हैं।
तकलीफें मोल लेते, खेती-खार बेच देते,
गरीब माँ-बाप देखो, विश्वास जगाते हैं।।
मेहनत खूब करें, फॉर्म हर माह भरें,
घर से वे दूर रहें, कोचिंग में जाते हैं।
नौकरी की आस जागे,इसके ही पीछे भागे,
आधी जिंदगी तो युवा,ऐसे ही बिताते हैं।
घूसखोरी का जमाना,उल्टे पाँव लौट जाना,
सीधे-सादे भोले लोग,देखो धोखा खाते हैं।
काम पाने सरकारी, होती रोज मारामारी,
कुछ लोग गड्डी फेंके, हक वे जमाते हैं।
नौकरी जो पास नहीं, जीवन भी खास नहीं,
युवाओं के पास बैठो, व्यथा वे सुनाते हैं।
बढ़ती है परेशानी, सब की यही कहानी,
ताना कसे रिश्तेदार,व्यंग्य बरसाते हैं।।
किस्मत की नहीं बात,हृदय में होती घात,
बड़े ही जतन कर, नौकरी वे पाते हैं।
हाथ लगे सरकारी, चारों ओर चर्चा भारी,
जिंदगी आनंद भरे, खुशियाँ मनाते हैं।।

कविता
कटाक्ष

घटती-घटना

वीना आडवाणी
नागपुर महाराष्ट्र

तलवार कि नोंक पर रख,
जब शब्दों के बाण कवि चलाते हैं....
तब घायल पाठक पढ़
ओर घायल हो आंसू बहाते हैं
शब्दों का मरहम् लगाने कि कोशिश में.
खुद को यादों में डुबाते हैं जानते हैं..
ज़ख्म भरते नहीं शब्दों के
कटाक्ष मरहम् से...
मगर यादों में डूब घायल
खुद को कर जाते हैं...
जब उतरते कोई लिखे शब्द
पाठक कि रूह पर...
सच तब आम कवि
शायर कहलाते हैं।।
पाठक सोचे ये तो मेरी आप बीती
मगर वो कवि का दर्द नहीं जानते हैं
ऐसे ही नहीं बनते कोई दर्द ए शायर
रूहानी चोट से घायल ही
मोहब्बत ए दर्द जानते हैं।।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

कांग्रेस को वास्तविकता समझनी होगी

मीर तकी मीर का शेर है, पत्ता पत्ता बूटा बूटा हाल हमारा जाने है, जाने न जाने गुल ही न जाने बाग तो सारा जाने है'। कांग्रेस का भी यही हाल है। उसका हाल सारी दुनिया को पता है। सारे पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक जानते हैं कि उसकी क्या कमी है। विपक्ष की दूसरी पार्टियां, जो उसके गठबंधन में हैं या नहीं हैं उन सबको भी पता है कि कांग्रेस की क्या कमजोरी है और भाजपा के शीर्ष नेता खास कर नरेंद्र मोदी और अमित शाह को तो उसकी हर नस के बारे में पता है। सिर्फ कांग्रेस है, जिसको अपने हाल की कोई खबर नहीं है। कांग्रेस नेतृत्व को अपनी कमजोरियों का पता नहीं है। गांधी परिवार अब भी इस मुगालते में है कि उसे सिर्फ मुख्य विपक्षी पार्टी बने रहना है, बाकी सारी चीजें अपने आप हो जाएंगी। जैसे 1977 में हारे तो 1980 में सत्ता में आ गए या 1989 में हारे तो 1991 में आ गए या 1996 में हारे तो 2004 में आ गए वैसे ही 2014 में हारे हैं तो क्या हो गया अगर मुख्य विपक्षी बने रहते हैं तो फिर अपने आप सत्ता में आ जाएंगे। कांग्रेस नेता इस बात से भी सबक नहीं ले रहे हैं कि लगातार दो चुनावों में लोकसभा में कांग्रेस को मुख्य विपक्षी पार्टी का दर्जा भी नहीं मिला था और एक एक करके वह राज्यों में भी यह दर्जा गंवाती जा रही है। क्या किसी ने सोचा है कि कितने बड़े राज्य हैं, जिनमें देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस मुख्य विपक्षी पार्टी भी नहीं है? जिन राज्यों में वह हाल के दिनों तक सत्ता में थी वहां से भी ऐसे उखड़ी है कि अब विपक्ष में भी जगह नहीं है। दिल्ली में लगातार तीन चुनाव जीतने के बाद वह 10 साल से शून्य पर है। आंध्र प्रदेश में दो चुनाव लगातार जीतने के बाद वह 10 साल से शून्य पर है। पश्चिम बंगाल में पिछली विधानसभा में उसके 40 विधायक थे और इस बार वह शून्य पर है। लगभग एक दर्जन राज्यों में उसका एक भी विधायक नहीं है। उसने गुजरात और महाराष्ट्र में मुख्य विपक्षी पार्टी का दर्जा गंवा दिया है। 403 विधायकों वाली उत्तर प्रदेश में उसके सिर्फ दो विधायक हैं। ये आंकड़े कांग्रेस के भविष्य की बहुत बुरी तस्वीर पेश कर रहे हैं लेकिन ऐसा लग रहा है कि कांग्रेस को इसकी या तो खबर नहीं है या परवाह नहीं है।लोकसभा चुनाव में अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन करने के बाद हरियाणा, जम्मू कश्मीर और महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव बुरी तरह से हारने के बाद कांग्रेस की बुनियादी समस्याओं को रेखांकित करने वाले सैकड़ों लेख लिखे गए हैं और हजारों नहीं, बल्कि लाखों सोशल मीडिया पोस्ट्स लिखी गई हैं। कांग्रेस के इकोसिस्टम के लोगों ने कई तरह से समझाया है कि कांग्रेस की असली समस्या क्या है और उसे कैसे दूर किया जा सकता है। पता नहीं कांग्रेस में किसी ने इनकी नोटिस ली या नहीं लेकिन कांग्रेस कार्य समिति की बैठक होने जा रही है। शुक्रवार, 29 नवंबर को कांग्रेस कार्य समिति की बैठक होगी, जिसमें हरियाणा और महाराष्ट्र के नतीजों की समीक्षा होगी। पता नहीं जम्मू कश्मीर के नतीजों की समीक्षा क्यों नहीं होगी, जहां कांग्रेस की सहयोगी नेशनल कॉन्फ्रेंस की सीटें 15 से बढ़ कर 40 हो गईं और कांग्रेस की संख्या 12 से घट कर सात रह गई? कांग्रेस को निश्चित रूप से इसकी भी समीक्षा करनी चाहिए। अगर वह नहीं करती है तो इसका मतलब है कि उसका इरादा ईमानदार समीक्षा करने का नहीं है, बल्कि औपचारिकता निभाने का है। बहरहाल, हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनाव

नतीजों के बाद कांग्रेस की जो समस्याएं उभर कर सामने आई हैं उनमें पहले नंबर पर यह है कि कांग्रेस सहयोगी पार्टियों की चिंता नहीं करती है। वह जरा सी ताकत मिलते ही धौंस दिखाने लगती है और बड़े भाई की भूमिका में आ जाती है। लगातार दो चुनाव हारने के बाद उसने लोकसभा में जरूर समझौता किया और कम सीटों पर लड़ी लेकिन प्रदर्शन सुधरते ही उसने सहयोगियों पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। उसने हरियाणा में समाजवादी पार्टी की मांग ठुकराई तो आम आदमी पार्टी को अकेले लडने़ दिया। इसी तरह महाराष्ट्र में जब लोकसभा चुनाव में शिव सेना ज्यादा सीटों पर लड़ी थी और नतीजे महा विकास अघाड़ी के पक्ष में आए थे तो विधानसभा चुनाव में भी क्यों नहीं शिव सेना को ही बड़ी पार्टी के तौर पर लडने़ दिया गया? अगर शिव सेना ज्यादा सीटों पर लड़ती तो उद्धव ठाकरे के सीएम का चेहरा होने का संदेश जाता है और तब शिव सैनिक एकजुट हो सकते थे। अगर कांग्रेस ने आखिरी समय तक ज्यादा सीट की खींचतान में मामला नहीं लटकाए रखा होता तो तस्वीर कुछ और होती।कांग्रेस की दूसरी कमी यह उभर कर आई है कि वह गंभीरता से चुनाव नहीं लड़ती है। अभी के चुनावों में उसने सिर्फ वायनाड लोकसभा का उपचुनाव गंभीरता से लड़ा और उसका नतीजा यह हुआ कि प्रियंका गांधी वाड्रा ने राहुल गांधी से ज्यादा वोट से चुनाव जीता। वहां वैसे भी कांग्रेस जीत रही थी लेकिन पूरी पार्टी ने जी जान लगा दी। प्रियंका वहां डटी रहीं तो राहुल ने चार दिन सभाएं कीं। सोचें, एक लोकसभा सीट पर राहुल का चार दिन जाना और दूसरी ओर झारखंड में सिर्फ छह सभाएं करना! झारखंड में कांग्रेस जीत गई, लेकिन वह कांग्रेस की जीत नहीं है, बल्कि जेएमएम की लहर की जीत है। हेमंत सोरेन के पक्ष में सहानुभूति की लहर थी और साथ ही भाजपा के ध्रुवीकरण के एजेंडे के खिलाफ एक दूसरा ध्रुवीकरण था, जिसका फायदा कांग्रेस और राजद दोनों को मिला। लेकिन बाकी जगह ऐसा नहीं था तो महाराष्ट्र और हर राज्य के उपचुनाव में कांग्रेस की बुरी दशा हुई। वह न तो महाराष्ट्र में गंभीरता से लड़ी और न झारखंड में और न उपचुनावों में कोई गंभीरता दिखाई दी।कांग्रेस की तीसरी कमी यह उभर कर आई है कि उसका संगठन बहुत ही कमजोर है और संगठन से जुड़े फैसले तो भयावह ही है, जैसे झारखंड में कांग्रेस ने चुनाव से तीन महीने पहले प्रदेश अध्यक्ष बदला था। यह तो एक मिसाल है लेकिन ओवरऑल कांग्रेस का संगठन बहुत लचर है। नीचे से ऊपर तक संगठन में इक्का-दुक्का लोगों को छोड़ दें तो अयोग्य, निकम्मे या भितरघात करने वाले नेता भरे हैं। कांग्रेस की राजनीतिक पूंजी का लगातार क्षरण होता जा रहा है लेकिन पार्टी के पदाधिकारियों का अहंकार कम नहीं होता है। यह हकीकत है कि जिन्हें जिम्मेदारी मिलती है वे कुछ नहीं करते हैं और जिन्हें जिम्मेदारी नहीं मिलती है वे अपनी ही पार्टी की हार पर खुशी मनाते हैं। कांग्रेस के पास प्रतिबद्ध नेताओं की कमी है। वे पार्टी हित में काम नहीं करते हैं,बल्कि अपना स्वार्थ सबसे ऊपर होता है। प्रभारी या छटंनी समिति के प्रमुख का फोकस इस बात पर नहीं होता है कि जीतने वाला उम्मीदवार चुनें, बल्कि उसे ऐसे उम्मीदवार चुनने होते हैं, जो टिकट के लिए पैसे दे सके। कांग्रेस की सहयोगी पार्टियां भी इससे परेशान रहती हैं।कांग्रेस की चौथी कमजोरी शीर्ष नेतृत्व की निष्क्रियता है। राहुल गांधी दिन रात राजनीति में नहीं खपे रहते हैं और न कठोर फैसले करते हैं। वे चुनाव के समय सक्रिय होते हैं, जबकि राजनीति 24 घंटे का काम है। कांग्रेस नेताओं के बारे में यह आम धारणा है कि अगर राहुल गांधी सोते जागते राजनीति नहीं करेंगे और सब पर नजर नहीं रखेंगे तो कांग्रेसी सब कुछ बेच खाएंगे। ऐसी स्थिति राहुल गांधी की अनिश्चित व तदर्थ राजनीति की वजह से है। चुनाव नहीं चल रहे हों तो वे संगठन का काम करने की बजाय उसको फुरसत का समय मानते हैं। उनके साथ दूसरी मुश्किल यह है कि उनको चाहने वालों और कांग्रेस के इकोसिस्टम के लोगों ने यह धारणा बनाई है कि कांग्रेस की दुर्दशा के लिए वे जिम्मेदार नहीं हैं, बल्कि उनके सलाहकार और दूसरे नेता जिम्मेदार है।

-अजीत द्विवेदी-

नगर निगम के इस कार्यकाल का अंतिम सामान्य सभा में पीएम आवास, अमृत जल जीवन मिशन व तालाब की सौंदर्यीकरण का छाया रहा मुद्दा

- संवाददाता -
अंबिकापुर,04 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

नगर निगम के इस कार्यकाल का अंतिम सामान्य सभा की बैठक बुधवार को सरगुजा सदन में हुई। बैठक में पक्ष व विपक्ष के पार्षद के बीच कई मुद्दों को लेकर हल्की नोक झोक भी हुई। विशेषकर अमृज जल जीवन मिशन के मुद्दों पर विपक्ष से सत्ता पक्ष को घेरा। वहीं विपक्ष के पार्षदों ने सत्ता पक्ष पर तालाब सौंदर्यीकरण में मनमानी का आरोप लगाया है। सत्ता पक्ष का कहना था कि प्राथमिकता के आधार पर तालाबों का सौंदर्यीकरण नहीं कराया गया है। वहीं पीएम आवास के लिए हितग्राहियों से 5-5 हजार रुपए लिए जाने की बात सामने आई है। इस मुद्दे पर सत्ता पक्ष ने कहा है कि पूर्व के निगम आयुक्त ने नियम से हटकर ऐसा आदेश जारी किया था। आदेश के बाद लगभग 50 से भी कम हितग्राहियों ने रुपए जमा किया है। इस मामले की जांच कराकर संबंधित अधिकारी पर कार्रवाई करते हुए हितग्राहियों की राशि वापस की जाएगी। वहीं नियम के तहत लॉटरी सिस्टम से पीएम आवास का वितरण हितग्राहियों को किया जाएगा। पहले चरण में 493 मकानों का निर्माण चल रहा है। जिसका निर्माण लगभग 75 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है।

नगर निगम की सामान्य सभा की बैठक बुधवार की दोपहर 12.30 बजे से सरगुजा सदन में सभापति अजय

अग्रवाल की उपस्थिति में शुरू हुई। सबसे पहले विपक्षी पार्षद आलोक दुबे ने तालाब सौंदर्यीकरण के मामले में सत्ता पक्ष पर भेदभाव का आरोप लगाया। इस सवाल पर सत्ता पक्ष के एमआईसी प्रमुख शफी अहमद ने खंडन करते हुए कहा कि तालाब सौंदर्यीकण में किसी तरह का भेदभाव नहीं किया गया है। निगम के अंतर्गत 20 तालाब आते हैं। जिसकी सौंदर्यीकरण के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया था। शासन द्वारा 6 तालाबों की सौंदर्यीकरण के लिए स्वीकृति मिली थी। जिसका सौंदर्यीकरण कराया गया है। इस

सेप्टिक टैंक की तरह मिल रहा गंदा पानी

विपक्ष के पार्षद मधुसुदन शुक्ला ने अमृत मिशन में गड़बड़ी का आरोप लगाया है। उनहोंने कहा है कि केन्द्र सरकार की मंशा थी कि लोगों को शुद्ध पेयजल मिले। इसके लिए 106 करोड़ रुपए से निगम क्षेत्र के लोगों को 24 घंटे पानी उपलब्ध कराने के लिए अमृत मिशन के तहत कार्य कराया गया था। पर राशि का बंडरबांट हो गया और कई वार्डों में पानी नहीं पहुंच रहा है। मधुसुदन शुक्ला ने अपने वार्ड का जिक्र करते हुए कहा कि हमरे वार्ड में सेप्टिक टैंक की तरह गंदा पानी वार्डवासियों को मिल रहा है। वर्षों पुराने पाइप को बदला नहीं गया है। जबकि अमृत मिशन के नियम के तहत सभी पुराने पाईपों को बदलना था। इस गंभीर आरोप पर सत्ता पक्ष के जल प्रभारी गोलमोल जवाब दिया। उन्होंने कहा कि भगौलिक कारणों से कुछ वार्डों में पानी नहीं पहुंच पा रहा है। इसके लिए नए नए पलान यूआईडीएफ के तहत शासन को प्रस्ताव बनाकर भेजा गया है। पानी की समस्या को लेकर सत्ता पक्ष के पार्षद सतिश बारी ने भी आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि हमारे वार्ड में सनराईज स्कूल के समीप कुछ एरिया में पानी नहीं मिल रहा है। पिछले कई महीनों से पानी नही आने पर लोग कनेक्शन कटवाना चाहते हैं। जबकि उक्त क्षेत्र से कुछ ही दूरी पार बड़ा पानी टंकी बना हुआ है।

जवाब पर विपक्षी पार्षद आलोक दुबे ने कहा कि 6 तालाबों का सौंदर्यीकरण प्राथमिकता के आधार पर नहीं कराया गया है। शहर के महामाया,मैरिन ड्राइव तालाब की सौंदर्यीकरण की आवश्यकता थी पर उसे ध्यान में नहीं रखा गया। इसके बाद विपक्षी पार्षदों ने पीएम आवास का मुद्दा उठाया और हितग्राहियों से 5-5 हजार रुपए किस नियम के तहत लेने की बात कही। इस सवाल पर सत्ता पक्ष से शफी अहमद ने कहा कि शहरी क्षेत्र में पहले चरण में 493 आवास का निर्माण चल रहा है। जिसका 75 प्रतिशत काम पूर्ण हो चुका है। हितग्राहियों से 5-5 हजार रुपए लेन की बात किसी भी बैठक में नहीं बोला गया था। पूर्व के निगम आयुक्त किस आधार पर 5-5 हजार रुपए लेने का नियम बनाया था। इसकी जांच कराई जाएगी। ऐसे हितग्राहियों से जिनसे रुपए लिए गए हैं उन्हें वापस किया जाएगा और संबंधित अधिकारी पर कार्रवाई की जाएगी। पीएम आवास हितग्राहियों को आवंटन किए जाने के मामले में सत्ता पक्ष व विपक्ष ने एक राए होकर निणर्य लिया है कि आवासों का वितरण लॉटरी सिस्टम से किया जाएगा। आवासों की संख्या कम है और हितग्राही ज्यादा है। ऐसे में हर वार्ड के पार्षद अपने वार्ड के अंदर जरूरतमंद हितग्राहियों को प्राथमिकता देते हुए 10-10 आवासों का लॉटरी पार्षद के द्वारा किया जाएगा। ताकि जरूरतमंदों को आवास मिल सके। वहीं सत्ता पक्ष व विपक्ष ने यह भी निर्णय लिया है कि निगम का कार्यकाल खत्म होने से पूर्व आवास का वितरण किया जाए।

मूकबधिर युवती ने कोर्ट को इशारे से बताई बलात्कार की घटना,आरोपी को सजा

- संवाददाता -
अंबिकापुर,04 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

मूकबधिर युवती से बलात्कार के मामले [में] कोर्ट ने आरोपी को दस साल की सजा [सु]नाई है। पीड़ित युवती ने इशारों से कोर्ट [क]ो आपबीती बताई। इशारों को समझने के [लि]ए कोर्ट ने युवती की मां और मूक-बधिर [वि]शेषज्ञ सहायता ली थी।

घटना 13 मार्च 2017 की है। मूकबधिर [यु]वती अपने घर में थी। तभी आरोपी मुकेश [पां]डेय (37) निवासी बौरीपारा थाना कोतवाली [अं]बिकापुर पीड़िता के घर में घुसकर बलात्कार [क]ी घटना को अंजाम दिया था। इस दौरान घर [में] पीड़िता की मां नहीं थी। पीड़िता ने मामले की [रि]पोर्ट कोतवाली थाना में दर्ज कराई थी। पीड़िता [क]ी रिपोर्ट पर पुलिस ने आरापी को गिरफ्तार

कर जेल दाखिल कर दिया था। वहीं मामले की सुनवाई कोर्ट में चल रही थी। 3 फरवरी 2018 को आरोपी को जमानत मिल गई थी। सुनवाई के दौरान पीड़िता की मां ने जानकारी होने से इनकार कर दिया। वहीं अन्य गवाह भी मुकर गए थे। पीड़िता की मां व अन्य गवाहों के मुकरने के बाद पीड़िता के चचेरे भाई ने आरोपी के खिलाफ बयान दिया। घटना के समय पीड़िता के चचेरे भाई ने देखा तो और वह पीड़िता की मां को घटना की जानकारी दी थी। वहीं मामले में विवेचना अधिकारी ने भी संदेहकारी विवेचना रिपोर्ट पेश की थी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश एफटीसी ममता पटेल की अदालत ने मामले की सुनवाई करते हुए पीड़िता का बयान लिया। पीड़िता ने इशारे से घटना की जानकारी दी। इस दौरान सहायता के लिए पीड़िता की मां व मूकबधिर भाषा के विशेषज्ञ संध्या तिवारी की सहायता ली गई। पीड़िता ने इशारों से अपने साथ हुए जुर्म की कहानी कोर्ट को बताई। अदालत ने मूकबधिर पीड़िता के बयान और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आरोपी मुकेश पांडेय को दोषी माना। अदालत ने मुकेश पांडेय को धारा 450 के तहत 5 साल, धारा 376 के तहत 10 साल के कारावास की सजा सुनाई।

शराब पीने के लिए रुपए नहीं दिया तो दामाद ने वृद्ध ससुर को जलाया

- संवाददाता -
अंबिकापुर,04 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

ग्राम दोरना में बुधवार की सुबह दामाद ने अपने वृद्ध ससुर के कपड़े में आग लगा दी। इससे वृद्ध गंभीर रूप से झुलस गया है। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपी कई महीनों से पत्नी के साथ ससुराल में रह रहा था और शराब पीने के लिए ससुर से रुपए मांग रहा था। नहीं देने पर आग लगा दी। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार दशरू उर्फ केरे करवा लुण्ड्रा थाना क्षेत्र के ग्राम दोरना लोहारपारा का रहने वाला है। इसका दामाद धनसाय कोरावा कई महीनों से पत्नी के साथ ससुराल में रह रहा है और ससुर को उसके ही

घर से निकाल दिया था। वृद्ध को पीएम आवास निर्माण कराने के लिए शासन से रुपए मिला है। दामान उक्त रुपए को शराब पीने के लिए मांग रहा था। नहीं देने पर बुधवार की सुबह माचिश से उसके कपड़े में आग लगा दी। इससे वृद्ध गंभीर रूप से झुलस गया है। आग लगाने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। वृद्ध काफी देर तक गंभीर स्थिति में गांव के स्कूल के पास पड़ा रहा। इसके बाद आस पास के लोगों ने उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया। वही सूचना पर लुण्ड्रा पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की और आरोपी दामाद को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी धनसाय कोरवा (45) निवासी उरदरा थाना लुण्ड्रा के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

प्रतापपुर-अंबिकापुर मार्ग पर भीषण सड़क हादसा,तीन की मौत,दो गंभीर

- संवाददाता -
प्रतापपुर,04 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सूरजपुर जिले के प्रतापपुर [था]नांतर्गत मंगलवार की रात 11 [ब]जे के करीब प्रतापपुर-अंबिकापुर [मा]र्ग में गोटगवां के पास पिकअप व [का]र की आमने-सामने हुई भिड़ंत में [ती]न लोगों की मौके पर ही मौत हो [ग]ई। दो लोगों को गंभीर हालत में [मे]डिकल कालेज अस्पताल [अं]बिकापुर रेफर किया गया है जहां [उ]नकी हालत गंभीर बनी हुई है।

जानकारी अनुसार, मंगलवार की रात प्रतापपुर विकासखंड के ग्राम गोवर्धनपुर से कार क्रमांक CG 29 AE 7704 में सवार होकर चार युवक अंबिकापुर जा रहे थे। इसी दौरान रात करीब 11 बजे प्रतापपुर-अंबिकापुर मार्ग (खड़गवां रोड) में स्थित गोटगवां के नजदीक टमाटर लोड कर बनारस जा रहे तेज रफ्तार पिकअप वाहन क्रमांक UP 64 AT 6380 से कार की आमने सामने से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर से पिकअप व कार के परखच्चे उड़ गए।

इस भीषण दुर्घटना में गोवर्धनपुर निवासी प्रियांशु पटेल 24 पिता प्रतोष पटेल, दीपक पटेल 23 पिता मिथलेश पटेल, पुष्पेंद्र भाई पटेल 21 पिता सुरेन्द्र पटेल ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं कार में सवार चौथे युवक विनय यादव 25 निवासी बटई को गंभीर हालत में मेडिकल कालेज अंबिकापुर रेफर कर दिया गया है जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

इधर घटना में पिकअप चालक विक्रम सिंह बड़ा 42 वर्ष निवासी फुंदुरडीहारी अंबिकापुर भी गंभीर रूप से घायल हुआ है जिसे उपचार के लिए मेडिकल कालेज अस्पताल अंबिकापुर रेफर कर दिया गया है।

लखनपुर में अवैध कोयला तस्करी चरम पर,प्रशासन मौन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,04 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के उदयपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत पोतका में अवैध कोयले का कारोबार जोर-शोर से चल रहा है। स्थानीय ग्रामीणों और खनिज विभाग की मौन सहमति के चलते कोयले की तस्करी फल-फूल रही है। क्षेत्र में मोटरसाइकिल और छोटे वाहनों के माध्यम से कोयला चोरी कर बड़े पैमाने पर भंडारण किया जा रहा है।

अवैध कारोबार का गढ़ बना पोतका

लखनपुर विकासखंड लंबे समय से कोयले के अवैध कारोबार के लिए बदनाम रहा है। इन दिनों पोतका में लखनपुर के स्थानीय व्यवसायी द्वारा कुछ तस्करों से मिलीभगत कर रोजाना 30-40 टन कोयला डंप किया जा रहा है। आरोप है कि यह कोयला अंबिकापुर और सूरजपुर जिले की रेहर गायत्री खदानों से चोरी कर लाया जाता है। तस्करों ने वनभूमि और राजस्व भूमि को अवैध भंडारण स्थल बना रखा है।

पुलिस और खनिज विभाग की भूमिका पर सवाल

ग्रामीणों का आरोप है कि स्थानीय पुलिस और खनिज विभाग की मिलीभगत से यह अवैध कारोबार चल रहा है। एक स्थानीय व्यवसायी का नाम प्रमुख रूप से सामने आया है, जो अपनी ऊंची पहुंच और प्रभावशाली अधिकारियों के समर्थन का दावा करता है। इस व्यवसायी की कथित तौर पर पुलिस अधीक्षक और दूसरे जिले के कलेक्टर से नजदीकियां हैं, जिसके कारण कार्रवाई नहीं हो रही है।

स्थानीय सहयोग और बड़े स्तर पर तस्करी

ग्राम पोतका में अवैध कोयले की खरीदी कई स्थानों से की जा रही है। तस्करी के इस नेटवर्क में कुछ स्थानीय ग्रामीणों का भी सहयोग लिया जा रहा है। मोटरसाइकिल ग्रुप के जरिए चोरी किया गया कोयला आसपास की वन भूमि में डंप किया जाता है। हैरानी की बात यह है कि पोतका और उसके आसपास कोई ईट भट्ठा या चिमनी भी नहीं है, जिससे कोयले के इस भंडारण पर सवाल उठते हैं।

प्रशासन की चुप्पी से बढ़ती समस्या

अवैध कारोबार पर प्रशासन की निष्क्रियता ने इस समस्या को और गंभीर बना दिया है। खनिज विभाग और पुलिस की निष्क्रियता के कारण कोयला तस्करी खुलेआम जारी है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर प्रशासन सख्ती से कार्रवाई करे तो इस अवैध कारोबार को रोका जा सकता है। फिलहाल, प्रशासन की चुप्पी ने कोयला तस्करों के हौसले बुलंद कर दिए हैं।

उदयपुर टीआई कुमारी चंद्राकर ने इस संबंध में कहा कि वे कल रात ही ग्राम पोतका गई थीं लेकिन उन्हें कहीं भी कोयले का अवैध भंडारण नहीं मिला है। यदि आप लोकेशन भेजें तो मैं कार्यवाही करने तैयार हूं।

निधन

धनमति देवी

अंबिकापुर,04 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)। भाजपा ओबीसी मोर्चा प्रदेश मंत्री मनोज गुप्ता की माता धनमति देवी का बुधवार को हृदयघात से निधन हो गया है। 85 वर्षीय स्वर्गीय धनमति देवी अपने पीछे पांच पुत्र, दो पुत्री सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गई हैं। उनका अंतिम संस्कार गुरुवार को शंकर घाट मुक्ति धाम में किया जाएगा। अंतिम यात्रा उनके बड़े पुत्र राजेन्द्र गुप्ता के निवास स्थित सज्जन कॉलोनी एमजी रोड से निकाली जाएगी।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले के विरोध में विश्व में उठी आवाज, ब्रिटिश सांसद ने कहा...जिम्मेदारी कब समझेगी यूनुस सरकार

नई दिल्ली,04 दिसम्बर 024। बांग्लादेश में हिंदुओं और न्य अल्पसंख्यकों पर हमलों के रोध में अब विश्व भर में आवाज ठ रही हैं। अमेरिका में सांसद ब्रैड रमन ने कहा है कि बांग्लादेश रकार की पूरी जिम्मेदारी है कि वह श में रहने वाले हिंदू समुदाय के ोगों की सुरक्षा करें।

लोकतांत्रिक तरीके से चुनी हुई ख हसीना सरकार के हटने के बाद हां पर बनी स्थिति ठीक नहीं है। टिश सांसद प्रीति पटेल ने भी ंग्लादेश में हिंदू समुदाय के लोगों र हमलों की कड़ी निंदा की है। न्होंने इन हमलों को संवेदनहीन और यभीत करने वाला बताया है।

मेरिका से हस्तक्षेप की गुहार

इससे पहले अमेरिका में रहने वाले बांग्लादेशी मूल के हिंदुओं ने व्हाइट हाउस के समक्ष प्रदर्शन कर बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा और धर्मगुरु चिन्मय दास की रिहाई की मांग की थी। उन्होंने बांग्लादेश की स्थिति में अमेरिका के हस्तक्षेप का आग्रह किया था।

हिंदुओं को बांग्लादेश में मिले सुरक्षा

सांसद शरमन ने कहा, ÷बांग्लादेश सरकार की जिम्मेदारी है कि वह हिंदू समुदाय के उन हजारों लोगों की आवाज सुने जो अपने ऊपर हो रहे हमलों और अत्याचार की बात कह रहे हैं। सरकार उन्हें पर्याप्त सुरक्षा दे।÷ अमेरिकी सांसद ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के प्रमुख वाल्कर तुर्क से भी मांग की कि बांग्लादेश में हिंदू, बौद्ध और ईसाई समुदाय के लोगों पर हुए हमलों की जांच कराई जाए। ये हमले अगस्त में शेख हसीना की सरकार को हटाने के लिए देश भर में हुई हिंसा के दौरान हुए थे।

ब्रिटेन की विपक्षी कंजरवेटिव पार्टी में विदेश मामलों की प्रभारी सांसद प्रीति पटेल ने बांग्लादेश सरकार से अनुरोध किया है कि वह हिंदुओं के धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार की रक्षा करे। कहा कि हिंदुओं पर लगातार हो रहे हमलों से बांग्लादेश में अस्थिरता और असुरक्षा का माहौल बन रहा है, यह स्थिति उसके लिए घातक साबित होगी।

बांग्लादेश की स्थिति सभी के लिए चिंताजनक है, इसलिए वहां की सरकार विलंब न करते हुए हिंदू अल्पसंख्यकों को तत्काल पर्याप्त सुरक्षा उपलब्ध कराए, धर्मस्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करें और हमलावरों को दंडित करने की कार्रवाई करें।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति पर चलेगा महाभियोग,रक्षा मंत्री ने लोगों से मांगी माफी,इस्तीफे की पेशकश

नई दिल्ली,04 दिसम्बर 2024। दक्षिण कोरिया में मंगलवार को अचानक मार्शल लॉ की घोषणा कर राष्ट्रपति यून सुक योल ने सभी को चौंका दिया था। देर रात तक चले घटनाक्रम के बाद सांसदों ने मार्शल लॉ के खिलाफ मतदान किया। साथ ही विपक्षी दलों ने बुधवार को राष्ट्रपति योल पर महाभियोग चलाने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

मुख्य विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी और रीबिल्डिंग कोरिया पार्टी और रिफॉर्म पार्टी सहित पांच अन्य छोटी विपक्षी पार्टियों ने नेशनल असेंबली में यह प्रस्ताव सौंपा। महाभियोग प्रस्ताव पर 190 विपक्षी सांसदों और एक स्वतंत्र सांसद ने हस्ताक्षर किए।

सत्तारुढ़ दल का समर्थन नहीं

हालांकि किसी भी सत्तारूढ़ दल के विधायक ने इसका समर्थन नहीं किया। विपक्षी दलों की योजना प्रस्ताव पर गुरुवार को संसदीय पूर्ण सत्र में रिपोर्ट करने और शुक्रवार या शनिवार को मतदान कराने की है।

कानून के अनुसार, महाभियोग प्रस्ताव को पूर्ण सत्र में प्रस्ताव की सूचना दिए जाने के 24 से 72 घंटों के बीच मतदान के लिए रखा जाना चाहिए। रीबिल्डिंग कोरिया पार्टी के प्रतिनिधि शिन चांग-सिक ने कहा कि पार्टियों ने अब तक यह तय नहीं किया है कि तुरंत मतदान करना है या किसी अन्य समय मतदान करना है।

महाभियोग प्रस्ताव को संसद से पारित करने के लिए दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होती है। 300 सदस्यीय नेशनल असेंबली में विपक्ष को विधेयक पारित करने के लिए सत्तारूढ़ पीपुल्स पावर पार्टी के आठ वोटों की आवश्यकता होगी।

मुख्य विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद किम योंग मिन ने कहा कि हम इस अवैध मार्शल लॉ को नजरअंदाज नहीं कर सकते। हम लोकतंत्र को खत्म नहीं होने दे सकते। वहीं, घटना को लेकर बुधवार को रक्षा मंत्री किम योंग-ह्यून ने लोगों से माफी मांगी है और अपने इस्तीफे की पेशकश की है।

इस बीच यह सवाल उठ रहा है कि अगर राष्ट्रपति यून सुक योल पद से इस्तीफा दे देते हैं या हटा दिए जाते हैं तो दक्षिण कोरिया में राजनीतिक स्थिति क्या बनेगी? माना जा रहा है कि ऐसी स्थिति में 60 दिनों के भीतर होने वाले नए चुनाव तक प्रधानमंत्री हान डक सू कार्यभार संभालेंगे।

एसबीएम ग्रामीण के राज्य सलाहकार पुरुषोत्तम पंडा ने विभिन्न ग्राम पंचायतों का किया दौरा

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 04 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

राज्य स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के राज्य सलाहकार श्री पुरुषोत्तम पंडा बुधवार को जनपद पंचायत अम्बिकापुर के ग्राम पंचायत रजपुरीखुर्द, सकालो व मेंड्राखुर्द पहुंचे। उन्होंने हमारा शौचालय हमारा सम्मान÷अभियान अंतर्गत ग्राम में की जा रही गतिविधियों का अवलोकन किया। उन्होंने ग्राम पंचायतों में निर्मित सामुदायिक शौचालय, सेग्रीगेशन शेड तथा व्यक्तिगत पारिवारिक शौचालय का निरीक्षण किया। इसके साथ ही स्वच्छाग्राही दीदियों से डोर टू डोर कचड़ा संग्रहण विषय पर चर्चा करते हुए, कार्य के सतत क्रियान्वयन हेतु आवश्यक सुझाव दिए। इस दौरान श्री पंडा ने ग्राम पंचायत मेंड्राखुर्द मे नवनिर्मित सेग्रीगेशन शेड का उद्घाटन किया। निरीक्षण के दौरान जिला एवं ब्लॉक स्तर के अधिकारी-कर्मचारी, सरपंच, सचिव एवं ग्रामवासी भी उपस्थित रहे।

वनरक्षकों के सीधी भर्ती हेतु शारीरिक मापजोख गांधी स्टेडियम में होगी आयोजित

- संवाददाता -
अंबिकापुर,04 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा वृत्त अंतर्गत नोडल वनमण्डल, सरगुजा (अम्बिकापुर) में वनरक्षकों के सीधी भर्ती हेतु शारीरिक मापजोख एवं दक्षता की परीक्षण की कार्यवाही पी.जी. कॉलेज अम्बिकापुर में आयोजित की गई थी। जो अब अपरिहार्य कारणों से 06 दिसम्बर से 18 दिसंबर 2024 तक पी.जी. कॉलेज अम्बिकापुर से लगभग 500 मीटर की दूरी पर स्थित गांधी स्टेडियम, अम्बिकापुर में आयोजित की जाएगी। इसमें समय एवं तिथि में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

विभिन्न उपार्जन केन्द्रों में धान खरीदी का कलेक्टर विलास भोसकर ने किया निरीक्षण

» शासन द्वारा दी गई सुविधाओं के सम्बन्ध में किसानों को दी जानकारी, व्यवस्थाओं पर लिया फीडबैक...

- संवाददाता -
अंबिकापुर,04 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री विलास भोसकर ने बुधवार को अम्बिकापुर के धान उपार्जन केंद्र करजी, दरिमा तथा नवानगर पहुंचकर धान खरीदी प्रक्रिया का अवलोकन किया। उन्होंने किसानों से बात कर व्यवस्थाओं पर फीडबैक लिया, किसानों ने इसपर संतुष्टि जताई। उन्होंने किसानों को मिल रही सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान नमी मापक यंत्र से धान की नमी तथा धान तौलाई का भी निरीक्षण किया गया। कलेक्टर श्री भोसकर ने किसानों को जानकारी देते हुए कहा कि आपकी सुविधा के लिए खरीदी केंद्र में माइक्रो एटीएम हैं, जिससे दस हजार रूपए तक की राशि निकाल सकते हैं। अब आपको उपार्जन केंद्र तक धान परिवहन, किराए पर लिए गए ट्रैक्टर आदि का भाड़ा के लिए बैंक नहीं जाना पड़ेगा। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर प्रति एकड़ 21 क्विंटल के दर से धान खरीदी की जा रही है। अधिकारियों को निर्देशित करते हुए श्री भोसकर ने कहा कि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसका ध्यान रखें।

राष्ट्रीय मीडिया अवार्ड के लिए मीडिया संस्थान 10 दिसम्बर तक भेज सकते हैं अपनी प्रविष्टि

› भारत निर्वाचन आयोग मतदाता शिक्षा और जागरुकता के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले मीडिया संस्थानों को करता है पुरस्कृत....

› प्रिंट,टेलीविजन,रेडियो और ऑनलाइन मीडिया को दिए जाएंगे अवार्ड...

- संवाददाता -
अंबिकापुर,04 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा तदाता शिक्षा और जागरूकता के लिए दिए जाने वाले राष्ट्रीय मीडिया अवार्ड के लिए मीडिया संस्थान 10 दिसम्बर तक अपनी प्रविष्टि आयोग के अशोका रोड, नई दिल्ली स्थित कार्यालय में भेज सकते हैं। राष्ट्रीय मीडिया अवार्ड-2024 के तहत आयोग द्वारा चार श्रेणियों में पुरस्कार दिए जाएंगे। इनमें प्रिंट मीडिया और ऑनलाइन (इंटरनेट)/सोशल मीडिया के साथ ही इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के अंतर्गत टेलीविजन और रेडियो के लिए दिए जाने वाले अवार्ड शामिल हैं। अवार्ड के लिए चयनित मीडिया संस्थानों को राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर आगामी 25 जनवरी 2025 को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा वर्ष-2024 में मतदाता शिक्षा और जागरुकता में उत्कृष्ट योगदान देने वाले मीडिया संस्थानों को राष्ट्रीय मीडिया अवार्ड के तहत पुरस्कृत किया जाएगा। लोगों को सुगम निर्वाचन के लिए जागरुक करने, निर्वाचन प्रक्रिया व निर्वाचन संबंधी आईटी एप्लीकेशन्स के बारे में शिक्षित करने, अनूठे या दूरस्थ मतदान केंद्रों की कहानियों तथा मतदान करने एवं मतदाता सूची में पंजीयन के लिए जागरुक करने जैसे कार्यों से निर्वाचन में सहभागिता बढ़ाने में मीडिया के उत्कृष्ट कार्यों को राष्ट्रीय मीडिया अवार्ड के माध्यम से रेखांकित किया जाएगा।

100 दिनी अभियान को लेकर स्वास्थ्य कर्मियों को दिया गया प्रशिक्षण

- संवाददाता -
लखनपुर,04 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ शासन के महत्वाकांक्षी योजना के तहत स्वास्थ्य विभाग का 100 दीनी अभियान 7 दिसंबर से प्रारंभ होना है। जिसे लेकर स्वास्थ्य कर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर पीएस मार्को के निर्देशानुसार लखनपुर खंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर ओपी प्रसाद के द्वारा विकासखंड में 7 सितंबर से शुरू होने वाले 100 दीनी अभियान टीवी , कुष्ठ, एनसीडी एवं मलेरिया जांच की खोज को लेकर समस्त सीएचओ, एमपीएस, आर एच ओ, एम टी , बीसी को प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही पिछले माह सेवानिवृत्त हुए देवराज सिंह एन एम ए, एवं श्रीमती मुन्नी मुखर्जी एनपीएस को फूल माला पहनकर औपचारिक विदाई दी गई। खंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर ओपी प्रसाद ने सेवानिवृत हुए स्वास्थ्य कर्मियों को (पीपीओ) पेंशन संबंधित दस्तावेज प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में डॉक्टर पीएस केरकेट्टा, डॉक्टर रेखा प्रसाद, बीपीएम श्रीमती साधना लकड़ा, वीडियो श्रीमती सी नागवंशी सहित स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे। वही सभी ने लखनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ अकाउंटेंट अंशु कुमार मिंज का आभार व्यक्त किया।

अक्षत अग्रवाल हत्याकांड

आरोपी का इसी माह होगा नार्को, ब्रेन मैपिंग और पॉलीग्राफ टेस्ट

- संवाददाता -
अंबिकापुर,04 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर शहर के युवा व्यवसायी अक्षत अग्रवाल की हत्या के आरोपी का नार्को टेस्ट इसी माह में होगा। इसके पहले पुलिस ने नार्को टेस्ट के साथ ब्रेन मैपिंग और पॉलीग्राफ टेस्ट के लिए न्यायालय से अनुमति मांगी थी। अक्षत अग्रवाल हत्याकांड का आरोपी संजीव मंडल वर्तमान में केंद्रीय जेल अंबिकापुर में निरुद्ध है। न्यायालय से अनुमति मिलने के बाद पुलिस जांच की सारी प्रक्रियाओं को पहले ही पूरा कर चुकी है।

बता दें कि शहर के मनेंद्रगढ़ मार्ग स्थित अंबिका स्टील के संचालक के पुत्र अक्षत अग्रवाल की 20 अगस्त की शाम को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उसका शव चठिरमा जंगल में कार के भीतर बरामद हुआ था। मामले में पुलिस ने अंबिका स्टील के पूर्व कर्मचारी व जमीन खरीद-बिक्री का कारोबार करने वाले भगवानपुर निवासी संजीव मंडल उर्फ भानू बंगाली को गिरफ्तार किया था।

वहीं आरोपी के निशानदेही पर ही पुलिस ने अक्षत का शव बरामद किया था। आरोपी के पास से करीब 50 हजार रुपये व अक्षत के सोने का चेन पुलिस ने बरामद की थी। आरोपी के निशानदेही पर 3 पिस्टल व 31 जिंदा कारतूस भी पुलिस ने जब्त किए थे। पूछताछ में आरोपी भानू बंगाली ने पुलिस के समक्ष कहा था कि अक्षत ही उसे गोली मारने की सुपारी दिया था। उसने ही पिस्टल व कारतूस उपलब्ध कराए थे। पहली गोली अक्षत खुद ही पिस्टल सीने के पास सटाकर मारा था, इसके बाद वह 2 गोली मारा। पुलिस ने उसे 3 दिन के रिमांड पर लिया था, लेकिन हर बार आरोपित वही कहानी दोहराने में लगा था।

आरोपी के बयान को अक्षत अग्रवाल के स्वजनों ने भी नही स्वीकार किया और वे बेटे को किसी साजिश के तहत मारने की संभावना व्यक्त कर रहे थे। अक्षत की आलमारी से लाखों रुपये भी गायब होने जैसी बात सामने आई थी। बहरहाल पुलिस ने 3 कीमती पिस्टल की बरामदगी के बाद हत्या की गुत्थी को सुलझाने के लिए नार्को टेस्ट की तैयारी की थी। लम्बे इंतजार के बाद नार्को टेस्ट, ब्रेन मैपिंग और पॉलीग्राफ टेस्ट इसी माह होगा।

किसान के खाते से 160 बोरी अवैध धान खपाने कोचिया ने की कोशिश,धान खरीदी केंद्र उदयपुर में धान जप्त

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 04 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री विलास भोसकर ं मार्गदर्शन में जिले में वैध धान के परिवहन ौर भंडारण पर लगातार शासनिक टीम द्वारा गरानी रखते हुए र्यवाही की जा रही है। सी कड़ी में बुधवार को न खरीदी केंद्र उदयपुर कोचिया द्वारा किसान खाते से धान खपाने ी कोशिश को नाकाम करते हुए ान जप्त करने की कार्यवाही की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम मानपुर के किसान प्रीतराम के द्वारा बुधवार को उदयपुर धान खरीदी केंद्र में 210 बोरी धान लाया गया। इस दौरान नोडल अधिकारी अमित बंसल को संदेह होने पर किसान से धान के संबंध में जानकारी ली गई। किसान से बात करने पर इस बात की पुष्टि हुई कि किसान का धान केवल 50 बोरी है। कोचिया प्रदीप दुबे द्वारा किसान को झांसा देकर 160 बोरी यानी लगभग 64 क्विंटल धान को किसान के खाते से विक्रय करने का प्रयास किया जा रहा था। नोडल अधिकारी की मौजूदगी में तत्काल कार्यवाही करते हुए अवैध धान को जब्त किया गया और पंचनामा की कार्यवाही करते हुए धान खरीदी प्रभारी के सुपुर्दगी में दिया गया।

सूने मकान का ताला तोडक़र ले गए कार व एसी का आउटडोर,तीन गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,04 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

शहर से लगे सोनपुर में 3 दिसंबर ी रात को सूने मकान का ताला ोडक़र घर के अंदर से चाभी िकालकर चोरों ने कार व एसी का आउटडोर पार कर दिया था। रिपोर्ट र कोतवाली पुलिस ने 3 आरोपी ो गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की कार एसी का आउटडोर बरामद किया । पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ ार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया । जानकारी के अनुसार सुषमा खेस सोनपुरकला थाना कोतवाली के रहने वाली है। वह 3 दिसंबर को सुषमा पति के साथ अमने पैतृक आवास ग्राम भेलाई खुर्द थाना राजपुर चली गई थी। घर में बेटा व बेटी थे। शाम को बेटा दोस्त के घर चला गया था व बेटी मिशन अस्पताल ड्यूटी चली गई थी। घर में ताला बंद था। रात करीब 10 बजे मोहल्ले के ही एक व्यक्ति ने सुषमा को फोन कर जानकारी दी की तुम्हारे घर का ताला टूटा हुआ है। चोरी होने की संदेह पर महिला पति के साथ वापस आकर देखी तो घर का ताला टूटा था। चोरों ने घर के अंदर से चाभी निकालकर कार व एसी का आउटडोर पार कर दिया था। पीड़िता ने मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई थी। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना कर रही थी। विवेचना के दौरान पुलिस को मुखबिर से जानकारी मिली की ग्राम सोनपुर बस्ती सरनापारा के ग्राउण्ड में तीन संदिग्ध युवक अपने कब्जे में एक बाइक एवं एक सफेद रंग का कार रखे हैं। पुलिस मौके पर पहुंचकर संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो कार चोरी करने की बात स्वीकार की। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की कार व एसपी का आउटडोर जब्त किया है। मामले में पुलिस ने आरोपी उमेश सिंह उर्फ छोटू (20), विकेश गुप्ता उर्फ गोलू गुप्ता (24) निवासी बिहारपुर चौकी लटोरी थाना जयनगर जिला सूरजपुर व पारस नाथ सिंह (24) निवासी करवा लटोरी थाना जयनगर जिला सूरजपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

धान खरीदी केंद्र चलो अभियान के तहत लखनपुर जनपद उपाध्यक्ष ने अमेरा समिति का किया निरीक्षण

- संवाददाता -
लखनपुर,04 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ प्रदेश किसान कांग्रेस के निर्देश पर धान खरीदी केंद्र चलो अभियान के तहत 4 दिसंबर दिन बुधवार को अमेरा आदिम जाति सहकारी समिति के निरीक्षण प्रभारी बनने पर जनपद उपाध्यक्ष अमित सिंह देव औचक निरीक्षण करने अमेरा समिति पहुंचे। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वहां आए हुए किसानों से उनका हाल-चाल पूछा। निरीक्षण के दौरान किसानों से पूछा गया कि समिति के द्वारा लेबर उपलब्ध कराया गया है कि नहीं किसानों ने बताया कि हम लोग स्वयं लेबर लगाए हैं,किसान कांटा तौलाई,बोरा सिलाई,फड में छल्ली लगाने का कार्य किसान ही कर रहे है, किसानों के पीने के लिए पानी की व्यवस्था नही होने पर जप उपाध्यक्ष सिंह देव ने समिति प्रबंधक को कड़ी फटकार लगाई ,साथ ही कहा कि लेबर चार्ज किसानों को ही चेक माध्यम पेमेंट करें । किसानों के द्वारा बताया गया कि धान की खरीदी 2300/- में किया जा रहा है जिसमें किसान खुश नहीं है ।इस दौरान जनपद उपाध्यक्ष के साथ सत्येंद्र राय,,अजर राम चौधरी सहित दूर दराज से आये हुए किसान और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

CMYK

क्या लोगों को ठगकर अशफाक ने कहीं जमीन में गाड़ रखा है पैसा?

अशफाक के पास है एक ऐसी डायरी जिसमें लेनदेन की है पूरी जानकारी...क्या पुलिस उस डायरी तक पहुंच पाएगी

सूरजपुर पुलिस ने अशफाक का 3 दिन का डिमांड और लिया

रिमांड के बढ़ते देख यह उम्मीद लगाई जा रही है कि अशफाक का पूरा काला चिट्ठा सूरजपुर पुलिस खोल देगी

अशफाक के मामले में लंबी रकम देने वालों ने निवेशकों ने शिकायत से बनाई दूरी वजह संदेहास्पद

-ओंकार पाण्डेय-
सूरजपुर,04 दिसंबर 2024 (घटती-घटना)।

इस सदी का सबसे बड़ा ठग अशफाक इन दिनों पुलिस हिरासत में है , अशफाक के विरुद्ध अब तक 79 से अधिक शिकायतें आ चुकी हैं जिसमें ठगी की रकम 5 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुकी है पर यह आंकड़ा अभी भी पर्याप्त नहीं है क्योंकि यह आंकड़ा 200 करोड़ का होना था, पर बड़े शिकायतकर्ताओं का इस मामले से दूरी बना लेना ही ठगी के आंकड़े को कम कर दिया है, वही आंकडा कम होते देख कहीं ना कहीं अशफाक भी राहत की सांस ले रहा है, पर वही एक बात और चर्चा का विषय बनी है की अशफाक ने इतनी बड़ी ठगी की है तो पैसा कहीं ना कहीं रखा होगा? लोगों का अनुमान है कि अशफ़ाक ने बड़ी पेटीयो में पैसा दबाकर कहीं जमीन में गाड़ दिया है, क्योंकि इतना पैसा वह खर्च नहीं कर सकता जितना उसने ठगी से जुटाया है, अशफाक पुलिस सहित न्यायालय की आंख में धूल झोंकने की तैयारी में है, क्योंकि पिता अधिवक्ता है और उनका दिमाग भी इसके पीछे खूब है, विश्वसनीय सूत्रों का कहना है कि पैसा कहीं पर गाड़ कर रखा गया है साथ ही पेटी जो उसकी थी उस पेटी में ही पूरा पैसा है, पर पैसा कहां गड़ा हुआ है अब यह बात पुलिस अशफाक से कबूलवा पाती है या नहीं? वैसे सूरजपुर पुलिस इस मामले को लेकर गंभीर है और यही वजह है कि वह अशफाक का रिमांड बढ़ा रही है तीन दिन की रिमांड और ली है ताकि और भी चीज सामने आ जाए, पुलिस पूरे नेटवर्क को खंगाल रही है इस जाल को भी समझ रही है कहीं बड़ा खुलासा न पुलिस इस मामले में करने की कोशिश करे,यह भी अनुमान लगाया जा रहा है जिसकी लोगों को उम्मीद भी ना हो।

5 दिन के रिमांड पुलिस के पास 79 शिकायतकर्ताओ से 5 करोड़ 84 लाख 83 हजार की ठगी की आई शिकायत

रिमाण्ड दिनांक	शिकायतकर्ताओ की संख्या	रकम
30.11.2024	15	1,06,50,000
01.12.2024	25	2,26,70,000
02.12.2024	20	1,39,66,000
03.12.2024	9	42,57,000
04.12.2024	10	69,40,000
कुल	79	5,84,83,000

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन | घटती-घटना | सूरजपुर-कोरबा-सरगुजा-समाचार | अम्बिकापुर, मंगलवार 03 दिसम्बर 2024 | 6

दैनिक घटती-घटना समाचार पत्र की खबर का बड़ा असर...

ठगी के पैसे से खरीदी गई वाहने हुईं जब्त

खबर प्रकाशित होने के बाद वाहन सहित जिम का सामान हुआ जब्त:सूत्र

रिमाण्ड के तीसरे दिन थाना पहुंचे 15 शिकायतकर्ता, एक करोड़ से अधिक की ठगी की हुई शिकायत

हुंडई की वरना,क्रेटा व बीएमडब्ल्यू सहित महंगी जावा बाइक जब्त

तीसरे दिन की शिकायत के बाद ठगी की रकम अब अनुमानित रकम 4 करोड़ 72 पहुंची

ठगी के पैसे से बना केजीएन ट्रेडर्स की बिल्डिंग कब होगा जप्त,ठगी के पैसे से बना केजीएन हार्डवेयर की बिल्डिंग कब होगा जप्त

शिकायत के आंकड़े व ठगी की रकम

दिनांक	शिकायतकर्ताओ की संख्या	रकम
30.11.2024	15	1,06,50,000
01.12.2024	25	2,26,70,000
02.12.2024	20	1,39,66,000
कुल	60	4,72,86,000

खबर प्रकाशन के तुरन्त बाद जप्त हुई महंगी गाड़ियां

रिमांड के तीसरे दिन 15 शिकायत और आई सामने,अब ठगी की रकम की सीमा पार हुई एक करोड़ और अधिक

अशफाक की देने लेने वाली डायरी पुलिस को मिल गई तो पुलिस के लिए मामला सुलझाना और होगा आसान

असफाक उल्लाह और उसके पिता की ठगी की कहानी अब जग प्रसिद्ध हो गई है। असफाक और उसके पिता ने जितना लेनदेन रकम दोगुना करने के नाम पर लोगों से ठगा वह रकम उन्होंने खर्च भी किया और कुछ भविष्य के लिए भी सुरक्षित किया।उन्होंने बकायदा इस ठगी के धंधे में ईमानदारी भी दिखाई और पूरा लेनदेन लिखकर एक डायरी में रखा जिससे उन्हें आय व्यय याद रहे और कुल बचत उन्हें याद रहे ऐसा बताया जा रहा है। पुलिस असफाक से यह उगलवाने का प्रयास कर रही है कि कुल ठगी कितने की उसने की है। वैसे यदि पुलिस यह प्रयास करे यदि की वह डायरी लेनदेन वाली मिल जाए जिसमें लेनदेन लिखा है तो पुलिस का काम आसान हो जाएगा। अब देखना है कि क्या पुलिस वह डायरी असफाक से ले पाती है उसका पता उससे लगा पाती है। वैसे पूरे खेल का असली मास्टरमाइंड असफाक का पिता बताया जा रहा जा और वह अब जेल में है और डायरी भी वही जानता है कहां है यह बताया जा रहा है जिससे यह कहना गलत नहीं होगा कि कहीं असफाक के पिता को रिमांड में न लेना पुलिस की गलती न साबित हो जाए।

अशफाक मामले में पुलिस काफी मेहनत कर रही है

असफाक और उसके पिता के द्वारा की गई ठगी मामले में वर्तमान पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में सूरजपुर पुलिस काफी मेहनत कर रही है । माना जा रहा है कि इससे कुछ क्या बहुत ही कम मेहनत यदि पूर्व पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में मार्गदर्शन में पुलिस करती आज इतनी बड़ी ठगी सम्भव नहीं होती। बसदेई पुलिस चौकी में भी फिर प्रभारी अवैध इस तरह के कार्यों के लिए मौन नहीं जाहिर करते। कुल मिलाकर अभी पुलिस अधीक्षक जिले के काफी ध्यान दे रहे हैं अपराध मामले में और यदि वह इसी तरह ध्यान देंगे जरूर असफाक का मामला हल होगा।

अशफाक के ठगी का शिकार होने वाले की मुस्कान गायब पर ठगी करने वाला अशफाक की मुस्कान अभी भी बरकरार

अशफाक के हाथों ठगी की शिकार होने वाले कई लोगों के चेहरे से मुस्कान गायब हो गई है, लोगों के चेहरे उदासी में लटक चुके हैं, कर्ज के बोज तले दब चुके हैं, आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं पर वही सभी को ठगने वाला अशफाक उल्ला आज भी मुस्कुरा रहा है, क्योंकि हाल ही में पुलिस हिरासत में है अशफाक उल्ला और उसकी मुस्कुराते हुए फोटो वायरल हुई है, जिस फोटो को देखकर लोगों को काफी तकलीफ हो रही है, कि आखिर इतने लोगों को बर्बाद करने वाला अशफ़ाक उल्ला पुलिस के हिरासत में भी कैसे मुस्कुरा रहा है? क्या उससे बिल्कुल भी इस बात का अफसोस नहीं है कि उसने कईयों की जिंदगी बर्बाद कर दी और उसे सजा होगी यह भी उसे डर नहीं है?

अशफाक की गिरफ्तारी का श्रेय सूरजपुर पुलिस अधीक्षक को

अशफाक तक निकलेगा यह बहुत पहले से पता था पर अभी तक किसी ने इस मामले को लेकर गंभीरता नहीं दिखाई थी पर जैसे ही सूरजपुर के नए पुलिस अधीक्षक प्रशांत ठाकुर ने जिम्मा संभाला वैसे ही अशफाक की गिरफ्तारी हो गई और पूरा मामला गंभीरता से लेते हुए जांच भी शुरू हो गए यह थका रकम कितना पहुंचेगी यह भी पुलिस लास्ट में बताएगी पर अभी पुलिस सिर्फ जांच में जुटी है इसलिए कुछ भी बताने से वह मुकर रही है।

मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना का लाभ लेकर जॉयना ने दी ब्रेस्ट कैंसर को मात

-संवाददाता-
कोरबा,04 दिसंबर 2024 (घटती-घटना)।

आज से करीब 14 माह पहले जब मुझे पता चला कि मुझे असाध्य बीमारी कैंसर है, तो ऐसा लगा कि मानो मेरे पैरों के नीचे से जमीन ही खिसक गई हो। फिर कैंसर से जिंदगी की जद्दोजहद शुरू हो गई। इस बड़ी बीमारी से लड़ने के लिए साहस तो मेरे पास था, लेकिन पैसों की कमी मेरे इलाज की राह में रोड़ा बन रहा था। ऐसी विकट परिस्थिति में मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना से मिला लाभ मेरे और मेरे परिवार के लिए अंधेरे में उम्मीद की किरण बन कर आई है। इससे मेरा बेहतर इलाज हो पाया और आज मैं पूरी तरह स्वस्थ जीवन व्यतीत कर रही हूं।÷ यह कहना है ब्रेस्ट कैंसर जैसे गंभीर बीमारी को मात देने वाली 46 वर्षीय श्रीमती जॉयना मसीह का। कोरबा शहर के पोड़ीबहार निवासी जॉयना मसीह को एक दिन अचानक महसूस हुआ कि उनके सीने में दाईं तरफ एक गांठ हैं। उन्होंने गांठ की जांच कराई तो पता चला उन्हें ब्रेस्ट कैंसर है। जॉयना के पास पैसों की कमी थी और कैंसर का इलाज महंगा था। उनके रिश्तेदार ने बताया कि मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना से कैंसर रोग के इलाज के लिए आर्थिक रूप से मदद मिल सकती है। यह सुनकर उनकी आंखों में उम्मीद की किरण चमक उठी। उनके परिजनों ने मुख्यमंत्री विशेष सहायता योजना से इलाज हेतु आर्थिक मदद के लिए स्वास्थ्य विभाग के पहुना कार्यालय रायपुर में आवेदन दिया। चिकित्सकीय परीक्षण एवं चिकित्सकों द्वारा तैयार रिपोर्ट के अनुसार स्वास्थ्य विभाग द्वारा उनके आयुष्मान कार्ड में 90 हजार रुपए जमा किए गए और आयुष्मान कार्ड में पहले से ही 45 हजार रुपए जमा थे। जॉयना ने बताया कि कैंसर के इलाज के लिए उनकी 08 बार कीमो थैरेपी की गई, साथ ही उनका ऑपरेशन भी किया गया। उनके पति, मां और बहन ने उनके इलाज में कोई कमी नहीं की। परिजनों द्वारा अपनी सालों से जमा की हुई पूंजी व पैतृक संपत्ति का भी इलाज में उपयोग किया,परन्तु बेहतर उपचार के लिए पैसों की कमी सामने आ ही गई। ऐसे हालात में मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना से मिले 01 लाख 35 हजार रुपए से बेहतर उपचार के साथ ही 21 दिन तक रेडिएशन किया गया। उचित उपचार के बाद वह अब स्वस्थ हैं और अपने सभी दैनिक कार्य सामान्य तरीके से कर रहीं हैं। जॉयना का कहना है कि मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना से हुई मदद और इलाज से वह कैंसर जैसे गंभीर बीमारी से जंग जीती है, अब वह पूरी तरह स्वस्थ है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को इस कल्याणकारी योजना संचालन हेतु धन्यवाद देते हुए कहा कि इससे आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को बेहतर इलाज का लाभ मिल रहा है।

जब से लगा घर में नल,रस्सी डालकर बाल्टी खींचने नहीं लगाना पड़ता बल

कोरबा,04 दिसंबर 2024 (घटती-घटना)। कई साल पहले विपदी बाई को कुएं से पानी भरने में कोई तकलीफ नहीं थीं। वह बड़े-बड़े बर्तन लेकर कुएं के पास जाती थी और कुएं में रस्सी डालकर बड़ी ही आसानी से बाल्टी डालकर पानी खींच निकालती थी। यह काम सुबह-शाम ही नहीं चलता था, घर में जब भी पानी की जरूरत होती थी कुएं तक का सफर चलता ही रहता था। समय बीतता गया, विपदी बाई ऐसे ही पानी कुएं से भरती रही। धीरे-धीरे उम्र बढ़ने के साथ विपदी बाई का शरीर जवाब देने लगा, घर में पानी की जरूरत तो बढ़ती चली गई, लेकिन कुएं में बाल्टी डालकर रस्सी से पानी से भरी बाल्टी को खींच पाना आसान नहीं रह गया। कई बार तो वह पानी से भरी आधी बाल्टी पानी को कुएं से खींचती और अपनी किस्मत को कोसती। यह सिलसिला कई महीनों तक चलता रहा, लेकिन वृद्धा विपदी बाई की मुश्किलें कम नहीं हुई। एक दिन जब जल जीवन मिशन अंतर्गत गांव में घर-घर पाइप लाइन बिछाकर नल कनेक्शन दिया जाने लगा तो विपदी बाई को यह सब कुछ दिनों का खेल लगा। घर पर नल कनेक्शन लगने के पश्चात आखिरकार जब नल चालू की गई तो विपदी बाई के घर में लगे नल से भी पानी आने लगा। विपदी बाई के लिए यह किसी बड़े उपकार से कम नहीं था। घर पर ही पानी मिल जाने से विपदी बाई ही नहीं उसकी जैसी अनेक वृद्ध महिलाओं को कुएं जाने और कुएं में रस्सी डालकर पानी का भार खींचने शारीरिक थकावट वाले बल से आजादी मिल गई। घर में ही नल कनेक्शन मिलने से उन्हें कुएं से घर तक बर्तन का भार सिर में उठाने से भी मुक्ति मिल गई।

क्या रेडक्रॉस सोसाइटी का चेयरमेन बनने के लिए इच्छुक का सत्तापक्ष का होना जरूरी?

» क्या रेडक्रॉस सोसाइटी का चेयरमेन समाजसेवी या फिर किसी राजनीतिक दल से सरोकार न रखने वाले नहीं बन सकते

» सूरजपुर रेड क्रॉस सोसाइटी का चुनाव को लेकर सरगर्मी तेज भाजपाई चेयरमेन बनने के लिए लगा रहे एड़ी चोटी का जोर

» भाजपा का ही कोई रेडक्रॉस का चेयरमेन बने इसके लिए चलाया जा रहा है सदस्यता अभियान जिससे निर्वाचन में मिल सके लाभ

सदस्यता बुक की आड़ में रेडक्रॉस सोसाइटी के चेयरमेन चुनाव के लिए मनमानियो का दौर जारी

» भाजपाई चला रहे रेडक्रॉस सोसाइटी का सदस्यता अभियान जिससे भाजपा का ही बने चेयरमेन,प्रशासन भी कर रहा सहयोग

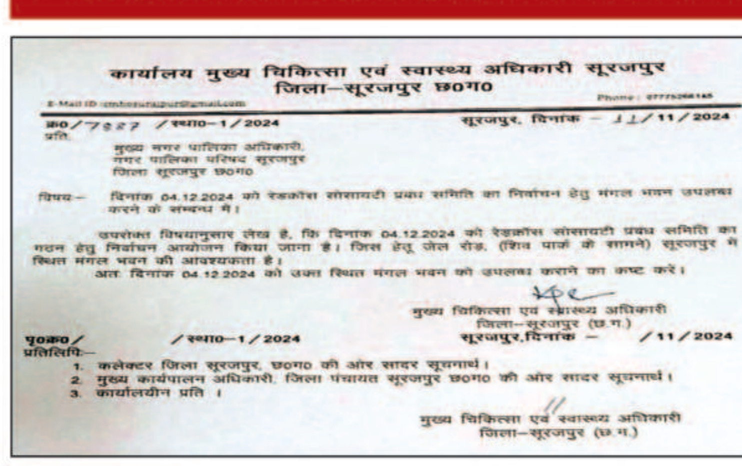
कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सूरजपुर
जिला–सूरजपुर छ0ग0

क्र0/7827 /स्वा0–1/2024 सूरजपुर, दिनांक – 11/11/2024

प्रति,
मुख्य नगर पालिका अधिकारी,
नगर पालिका परिषद सूरजपुर
जिला सूरजपुर छ0ग0

विषय– दिनांक 04.12.2024 को रेडक्रॉस सोसायटी प्रबंध समिति का निर्वाचन हेतु मंगल भवन उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में।

उपरोक्त विषयानुसार लेख है, कि दिनांक 04.12.2024 को रेडक्रॉस सोसायटी प्रबंध समिति का गठन हेतु निर्वाचन आयोजन किया जाना है। जिस हेतु जेल रोड, (शिव पार्क के सामने) सूरजपुर में स्थित मंगल भवन की आवश्यकता है।
अतः दिनांक 04.12.2024 को उक्त स्थित मंगल भवन को उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जिला–सूरजपुर (छ.ग.)

पृ0क्र0/ /स्वा0–1/2024 सूरजपुर,दिनांक – /11/2024
प्रतिलिपि–
1. कलेक्टर जिला सूरजपुर, छ0ग0 की ओर सादर सूचनार्थ।
2. मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत सूरजपुर छ0ग0 की ओर सादर सूचनार्थ।
3. कार्यालयीन प्रति ।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जिला–सूरजपुर (छ.ग.)

-शमरोज खान-
सूरजपुर,04 दिसंबर 2024 (घटती-घटना)।

कई जिलों में रेडक्रॉस सोसाइटी का चुनाव हो चुका है पर सूरजपुर जिला इस समय रेडक्रॉस सोसाइटी के चेयरमेन पद के चुनाव को लेकर काफी चर्चाओं में है,चर्चा भी हो तो क्यों ना हो, क्योंकि इस चुनाव में सत्तापक्ष का चेयरमेन बनाने के लिए भाजपा की लॉबी काम कर रही है, नया सदस्यता अभियान शुरू किया गया है, सदस्यता के लिए चार बुक भाजपाइयों को दिया गया है और वह सदस्यता बढ़ा रहे हैं, सदस्य में वह भाजपा के लोगों को ही रख रहे हैं, जबकि जो वर्तमान सदस्य है इसपर ही चुनाव होना था पर उसपर चुनाव नहीं करवाया जा रहा है, क्योंकि उसपर चुनाव होगा तो भाजपा का चेयरमेन बनना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन है, भाजपा का कोई चेयरमेन नहीं बन पाता, इसलिए सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है और चुनाव को आगे बढ़ा दिया गया है, इसके लिए प्रशासन भी भाजपा के लोगों का समर्थन करती नजर आ रही है, जिस प्रकार से एक रेडक्रॉस सोसाइटी के चेयरमेन पद के चुनाव में इतना गहमा गहमी देखा जा रहा है, तब इस पर एक सवाल यह भी उठने लगा है, क्या जिसकी लाठी उसकी भैंस वाली कहावत चरितार्थ हो रही है? पार्टी जिसकी होगी उसका चेयरमेन होगा? कांग्रेस के शासन में कांग्रेस के लोग चेयरमैन थे, जिसके लिए शाम दाम दंड भेद सारे लगाकर सदस्यता कराई गई थी, अब भाजपा के शासन में भाजपा के लोग चेयरमेन बनने की दौड़ में आगे हैं, उसके लिए नियमों को भी शिथिल कर दिया गया है, सदस्यता की नई अभियान चलाई जा रही है, सदस्यता अभियान से भले ही रेडक्रॉस सोसाइटी के खाते में पैसे आ जाएंगे, पर इस पैसे के एवरेज में भाजपा के प्रत्याशियों को ज्यादा वोट मिले, इसलिए सदस्यता हो रही है, यह भी किसी से छुपा नहीं है, ऐसे में सवाल यह उठता है कि रेडक्रॉस संस्था कोई राजनीतिक संस्था तो नहीं है? इसमें ऐसे भी व्यक्तियों को मौका देना चाहिए जो किसी पार्टी से सरोकार नहीं रखते हैं, और पढ़े लिखे हो जो रेडक्रॉस सोसाइटी को सही तरीके से संचालित कर सके, जिसका लाभ लोगों को मिल सके जिस उद्देश्य से रेडक्रॉस सोसाइटी बनाई गई है, फिर भी वह इस संस्था को भली भांति चला सकते हैं, क्या ऐसे लोगों को चेयरमैन नहीं बनाया जा सकता या फिर उनके लिए सदस्यता अभियान नहीं की जा सकती? रेडक्रॉस सोसाइटी में भाजपा के जिला अध्यक्ष की रुचि कुछ ज्यादा ही देखी जा रही है सूत्रों का कहना है कि भाजपा के जिला अध्यक्ष अपने ही लोगों को रेडक्रॉस के चेयरमेन प्रबंध समिति पर बैठना चाहते हैं, जिसके लिए वह जी जान से लगे हुए हैं, यदि उनका करीबी बैठता है तो भी विरोध होना है, और यह पार्टी के अंदर कलह पैदा करेगी, ऐसा सूत्रों का मानना है। वैसे भी सूरजपुर में भाजपा जिला अध्यक्ष सहित मंडल अध्यक्ष के बदलने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और बहुत जल्द ही मंडल अध्यक्ष सहित जिलाध्यक्ष बदले जाएंगे अब किस योग्य व्यक्ति को जिम्मेदारी मिलेगी यह तो देखने वाली बात है।

सदस्यता बढ़ाने का प्रशासन ने दिया मौका

रेडक्रॉस सोसाइटी का चुनाव जिले में होना है और जिसके लिए पहले सदस्यता हो चुकी थी वहीं अब पुनः यह अभियान जारी है। बताया जा रहा है कि प्रशासन ने भाजपा को सदस्य बढ़ाने का मौका दिया है जिससे रेडक्रॉस चुनाव में भाजपा का चेयरमैन बन सके। वैसे पहले हुई सदस्यता में जो लोग सदस्य बने उनके अनुसार भाजपा का अध्यक्ष नहीं बन पाता और इसीलिए सदस्यता अभियान को आगे बढ़ाया गया है ऐसा बताया जा रहा है। वैसे इस बात की सच्चाई को लेकर पुष्टि तो नहीं की जा सकती कि सदस्यता बढ़ाने के पीछे भाजपा का अध्यक्ष बन सके ऐसी मंशा के साथ प्रशासन काम कर रहा है लेकिन चर्चा ऐसी ही है।

रेडक्रॉस चेयरमेन सहित प्रबंध समिति के के लिए सूरजपुर चुनाव गहम गहमी के बीच होगा संपन्न-

रेडक्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन का चुनाव साथ ही प्रबन्ध समिति सदस्यों का चुनाव जिले में गहमा गहमी के बीच सम्पन्न होगा। बताया जा रहा है कि भाजपा जिलाध्यक्ष सहित उनकी पूरी टीम लगी हुई है निर्वाचन के लिए जिससे उनके मन का ही चुनाव हो सके। अब देखना है कि क्या वह अपनी मंशा में सफल हो पाते हैं क्या वह निर्वाचन में अपने मन का अध्यक्ष निर्वाचित करा पाते हैं। वैसे अभी सदस्यता आगे जारी है।

वहीं प्रत्यक्ष चुनाव कराने की उठ रही मांग

इससे पूर्व जिले में हुए पहली मर्तबे के रेड क्रॉस चुनाव में सीधे सीधे प्रत्यक्ष रूप से कराए गए थे। रेड क्रॉस में सदस्यों ने पूर्व की भांति इस बार भी रेड क्रॉस के चेयर मेन का चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से कराने की मांग उठ रही है, बुधवार को चार दिसंबर को रेड क्रॉस प्रबंध समिति के गठन होने वाला निर्वाचन आज नहीं हुआ। जिसके लिए बकायदा 11 नवंबर को स्वास्थ विभाग के लिए मंगल भवन आरक्षित करने के लिए पत्र लिखा गया था। किंतु निर्वाचन नहीं हो सका और अगामी तिथि के लिए टाल दिया गया। सूत्र बताते है कि सत्ता पक्ष के दबाव के कारण आगे टाल दिया ताकि वे अपने मंशानुरूप सदस्यता करा सके। और इसका लाभ उठा अपने लोगों को पद पर बिठा सके। इससे पहले चुनाव के लिए जो मतदाता सूची का प्रकाशन किया गया था उसमें कुल 380 आजीवन सदस्य थे।

ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के अनुविभागीय अधिकारी ने निर्माण कार्यों में दे रखी है भ्रष्टाचार की खुली छूट,सरकारी कर्मचारी भी ग्राम पंचायतों में कर रहे हैं मनरेगा में धड़ल्ले से ठेकेदारी क्या विभागीय रोक लगेगी?

खड़गवां जनपद पंचायत में हो रहे निर्माण कार्यों में भ्रष्टाचार रोकने अधिकारी सक्रिय नहीं

कार्य स्थल पर भी दिखाई देते हैं ये सरकारी कर्मचारी आखिर इन्हें किसका संरक्षण प्राप्त है ?

क्या ग्रामीण यांत्रिकी विभाग एवं मनरेगा के अधिकारियों को नहीं दिखाई देते ये सरकारी कर्मचारी ?

-राजेन्द्र शर्मा-
खडगवा,04 दिसंबर 2024 (घटती-घटना)।

खडगवा जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायतों में विभिन्न विभिन्न योजनाओं से हुए और हो रहे निर्माण कार्यों की अनदेखी तो खुलेआम देखी जा सकती है इस विकास खंड में ऐसे कई मामले सामने आये कि जहां पर सडक नहीं है वहां पर पुलिया का निर्माण कार्य करा दिया गया है और सडक का कोई पता नहीं है और कहीं तो एक ही सडक पर दो तीन अलग अलग नाम से पुलिया बना दिया गया है इस तरह इस विकास खंड के पोडी बचरा सहित कई ग्राम पंचायतों में ऐसे निर्माण कार्य कराए गए हैं जहां पर उनके निर्माण कार्य का आवश्यकता नहीं और इसे छूपाने के लिए सूचना पटल का बनाकर फोटो ग्राफी कर सूचना पटल भी स्थल से गायब इस तरह के निर्माण कार्य विकास खंड खडगवा मे महज ठेकेदारी से चल रहे और किये जा रहे हैं जबकि सथल का प्रस्ताव भी सरपंच से दबाव में या सचिव से साठगांठ लालच से कर कराया जाता है

पुलिया निर्माण की प्रक्रिया में मनमानी

विकास खंड के ग्राम पंचायतों में जिन जगहों पर पुल पुलिया की आवश्यकता है वहां पर निर्माण कार्य नहीं कराए गए है ग्राम पंचायतों में ठेकेदारी करने वाले जिस सथल पर पुलिया का निर्माण कार्य कराना होता है उस सथल का चयन और नापजोख ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के इंजिनियर के द्वारा कर उसका डाईग डिजाइन स्टीमेट तैयार किया जाता है उसके बाद पुलिया निर्माण कि राशि स्वीकृति के लिए जाती है। सूत्रों से जानकारी मिल रही है कि ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के अधिकारी ही ठेकेदारी प्रथा को बढ़ावा देकर ठेकेदारी करवा रहे हैं।

गुणवत्ता विहीन निर्माण:घटिया सामग्री का उपयोग

विकास खंड खडगवा मे जितने भी निर्माण कार्य मनरेगा एवं अन्य योजनाओं से चल रहे हैं उन सभी कार्यों में कर्मचारियों की भी धडल्ले से ठेकेदारी चल रही है निर्माण एजेंसी तो सिर्फ नाम के लिए मूकदर्शक बनी रहती है ग्राम पंचायतो मे सारा निर्माण कार्य का खेल ठेकेदारों के द्वारा घटिया और गुणवत्ता विहीन निर्माण कार्य किया जा रहा है जगह जगह घटिया और गुणवत्ता विहीन निर्माण कार्यों की शिकायते हो रही है खबरें प्रकाशित हो रही और ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के अनुविभागीय अधिकारी का एक ही जवाब रटा रटाया रहता है जांच कर कार्यवाही करेंगे और कार्यवाही सिर्फ खानापूर्ति ही होती है। जिससे ग्राम पंचायतों में निर्माण कार्य पूर्ण रूप से गुणवत्ता विहीन हो रहे हैं जिस गुणवत्ता की निर्माण समाग्री निर्माण कार्य में उपयोग किया जाना होता है उसका उपयोग नहीं किया जाता है और ये सारा निर्माण कार्य संबंधित इंजीनियर के समाने किया जाता है और उस निर्माण कार्य का मेजरमेंट भी इंजीनियर के लेन देन के मेजरमेंट के द्वारा किया जाता है इस तरह विभाग की मिली भगत कर भ्रष्टाचार किया जाता है प्रशासन को इस तरह के निर्माण कार्य कराने वालो पर ठोस कार्रवाई करनी चाहिए।

ठेकेदारी और भ्रष्टाचार का गठजोड़

अधिकारी के द्वारा अपने और ठेकेदार को लाभ पहुंचाने के लिए मनमाने तरीकें से विभाग के इंजीनियरो से ही स्टीमेट तैयार कर लाभ प्राप्त किया जा रहा है। तीन लाख कि लागत का कार्य की लागत सात से आठ लाख की लागत कि बनाई जाती है इस तरह विकास खंड खडगवा मे ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के इंजीनियर और अनुविभागीय अधिकारी ग्राम पंचायतों में ठेकेदारी को बढावा देकर ÷इस कहावत को चरितार्थ करते हुए कि सांप भी मर जाए और लाठी भी ना टूटे÷ और अपनी भी जेब भरती रहे हैं।

पुलिस अधीक्षक सूरजपुर के निर्देश पर हुई गुम इंसान की त्वरित पतासाजी

28 घरों की लौटाई गई खुशियां

-संवाददाता-
सूरजपुर,04 दिसंबर 2024 (घटती-घटना)।

जिले की पुलिस ने गुम इंसान की जांच को पूरी संवेदनशीलता के साथ करते हुए 28 गुम इंसान को दस्तयाब कर सुरक्षित परिजनों को सुपुर्द कर दिया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर द्वारा गुम बालक, बालिका एवं गुम इंसान के मामलों में संवेदनशीलता दिखाते हुए त्वरित पतासाजी करने के लिए सभी थाना-चौकी प्रभारियों को कड़े निर्देश दिए थे। उन्होंने गुम इंसान की जांच करने वाले विवेचकों को पूर्ण गंभीरता के साथ गुम इंसान को दस्तयाब करने सक्रियता से कार्य करने निर्देशित भी किया था।

जिस पर सभी थाना चौकी प्रभारियों द्वारा तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर एवं परिजनों से प्राप्त जानकारी के आधार पर पतासाजी की कार्यवाही की गई। जिले में माह नवम्बर 2024 में 1 बालक, 3 बालिका, 8 पुरूष व 14 महिला कुल 26 गुम हुए थे। एक माह में अब तक 02 बालिका, 14 पुरूष एवं 12 महिला कुल 28 गुम इंसान की पतासाजी कर दस्तयाब कर उनके परिजनों को सुपुर्द किया है। जिसमें से पूर्व के भी 02 गुम इंसान भी शामील है। संवेदनशीलता के साथ गुम इंसान की पतासाजी कर 28 लोगों के घरों में सूरजपुर पुलिस ने खुशियां लौटाई है।

एसएसपी सूरजपुर ने प्रधान आरक्षक व आरक्षक को तत्काल प्रभाव से किया निलंबित

रात्रि गश्त व रात्रि ड्यूटी से अनाधिकृत रूप से थे अनुपस्थित

-संवाददाता-
सूरजपुर 04 दिसंबर 2024 (घटती-घटना)।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार ठाकुर दिनांक 03.12.2024 को रात्रि गश्त में तैनात अधिकारी व जवानों की आकस्मिक चेकिंग के लिए निकले, इस दौरान थाना प्रेमनगर क्षेत्र में आकस्मिक चेकिंग के दौरान रात्रि गश्त/रात्रि ड्यूटी चेक करने पर प्रधान आरक्षक ज्योतिष पटेल व आरक्षक सरफराज अहमद को अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित पाया जो रात्रि गश्त/रात्रि ड्यूटी जैसे कार्य से बिना किसी सूचना के अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित होकर कर्तव्य के प्रति घोर लापरवाही एवं अनुशासनहीनता बरतने एवं महत्वपूर्ण ड्यूटी से अनुपस्थिति पर कोई भी अप्रिय घटना होने से इंकार नहीं किया जा सकता है। प्रधान आरक्षक व आरक्षक के इस गैरजिम्मेदाराना एवं स्वेच्छाचारिता पूर्ण कृत्य पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर ने दोनों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर रक्षित केन्द्र सूरजपुर संबद्ध कर दिया है और इस मामले की जांच एसडीओपी प्रेमनगर नरेन्द्र सिंह पुजारी को सौंपी गई है।

एसएसपी ने बाल आरक्षक को सौंपी नियुक्ति आदेश

बारह साल का नन्हा सिपाही,पिता की मृत्यु के बाद दी गई बाल आरक्षक की नौकरी

-संवाददाता-
सूरजपुर,04 दिसंबर 2024 (घटती-घटना)।

जिले की पुलिस विभाग में बारह वर्ष के बच्चे को नियुक्ति दी गई है। बाल आरक्षक के रुप में भर्ती किए गए बच्चे के पिता की असामयिक निधन के बाद उसे अनुकंपा नियुक्ति दी गई है। अपनी मां व छोटे भाई के साथ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे बच्चे को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने नियुक्ति का आदेश प्रदाय किया। एसएसपी ने नियुक्ति आदेश के साथ बच्चों की पसंदीदा चॉकलेट भी प्रदाय किया और बाल आरक्षक को बेहतर शिक्षा दिलाने की दिशा मे उसकी मॉ को मार्गदर्शन दिया। एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने बताया कि दिव्यांश जायसवाल को बाल आरक्षक के पद पर नियुक्ति दी गई है। इनके पिता मुन्ना प्रसाद आरक्षक के पद पर जिला सूरजपुर में पदस्थ थे। नौकरी के दौरान आकस्मिक मृत्यु होने पर अनुकम्पा नियुक्त के प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए अनुकम्पा नियुक्ति संबंधी सभी कार्रवाई पूरी करते हुए अनुकम्पा नियुक्ति दिया गया है। बुधवार, 04 दिसम्बर 2024 को सभी प्रक्रिया पूर्ण होने पर दिव्यांश जायसवाल को पुलिस विभाग में बाल आरक्षक के पद पर पदस्थ किया गया है। 18 वर्ष की आयु पूरी करने पर आरक्षक के पद पर पदस्थ किया जाएगा। इस दौरान स्टेनो अखिलेश सिंह, बाल आरक्षक की मॉ व छोटा भाई मौजूद रहे।

रासेयो सात दिवसीय विशेष शिविर का हुआ समापन

-संवाददाता-
सूरजपुर,04 दिसंबर 2024 (घटती-घटना)।

शासकीय नवीन महाविद्यालय चांदनी बिहारपुर के द्वारा कांतिपुर में सात दिवसीय विशेष शिविर समापन समारोह के मुख्य अतिथि श्री मनोहर सिंह सरपंच कांतिपुर, विशिष्ट अतिथियों में श्री भगवत सिंह धुर्वे प्रधान पाठक,रवि शंकर खरवार, शिव धन सिंह गणमान्य नागरिक सूरज लाल वैश्य शिक्षक कांतिपुर तथा महाविद्यालय के प्राचार्य श्री जीतन राम पैकरा के अध्यक्षता तथा कार्यक्रम अधिकारी धीरेंद्र कुमार जायसवाल के संचालन में संपन्न हुआ। सर्वप्रथम माता सरस्वती देवी और स्वामी विवेकानंद के चरणों में पुष्प अर्पित कर दीप अगरबत्ती प्रज्वलित कर शिविर के समापन की शुरुवात की गई, तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत किया गया इसके उपरांत कार्यक्रम अधिकारी के द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर का सारगर्भित प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया, इस सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन 26 नवम्बर 2024 से 2 दिसंबर 2024 तक रहा , प्रतिवेदन प्रस्तुत करने में बताया गया कि प्रथम दिन शिविर उद्घाटन किया गया उसी दिन छात्र-छात्राओं के द्वारा कांतिपुर ग्राम पंचायत में क्या-क्या किया जा सकता है इसका कार्य योजना तैयार किया गया दूसरे दिन सुबह प्रार्थना और योगा करने के बाद प्रभात फेरी निकाला गया जिसमें स्वच्छता अभियान जल

व्यवस्था अभियान नशा मुक्ति अभियान स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रम और आम जनता की क्या परेशानियां हैं राजस्व से संबंधित जाति निवास प्रमाण पत्र फौती संबंधी समस्याएं कई प्रकार के बीमारियों को चिन्हांकित किया गया आवास व्यवस्था को लेकर के समस्याओं को चिन्हित किया गया दवाइयां का अभाव पाया गया शिक्षा का स्तर कम है जल व्यवस्था सही नहीं है लोगों का जीवन स्तर निम्न है बिजली की व्यवस्था सही नहीं है इस प्रकार कई समस्याओं को चिन्हित किया गया, इसी क्रम में बौद्धिक परिचर्चा में हर एक दिन अलग-अलग विभिन्न विभागों से अतिथियों को बुलाया गया जैसे जन शिक्षक विद्वान राम प्रसाद सिंह, भागवत सिंह प्रधान पाठक मा . शाला कांतिपुर, स्वास्थ्य संबंधी अधिकारियों सुरेश कुमार मिश्राऔर टीम, आयुर्वेद संबंधी चिकित्सा अधिकारी डा स्वेता भगत और टीम को, राजस्व संबंधी तहसीलदार साहब बी प्रजापति तहसील बिहारपुर और अन्य अतिथियों को बुलाकर के बौद्धिक परिचर्चा में शामिल कर शिवरार्थीयों के द्वारा किए जा रहे कार्यों का विवरण प्रतिवेदन के रूप में प्रस्तुत किया गया, प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के बाद शिवराथीयों से उनके शिविर के सात दिन व्यतीत करने के अनुभव सीखने के बारे में उनका विचार लिया गया तत्पश्चात अतिथियों के द्वारा इस शिविर के बारे में उनका उद्बोधन उनके विचार रखे गए इसके बाद शिविर में आए छात्र-छात्राओं के द्वारा अपने अनेक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, इसके पश्चात सभी अतिथियों के द्वारा समस्त शिवरार्थियो को शिविर प्रमाण पत्र वितरित किए गए, इस कार्यक्रम में प्राचार्य के द्वारा अध्यक्षीय भाषण में कार्यक्रम की सफलता पर सभी को बधाई और धन्यवाद दी तथा इसी प्रकार आने वाले समय में भी सभी का सहयोग रहे सभी के सहयोग से कार्यक्रम निष्पादित हो इस प्रकार की आशा उन्होंने रखी, इसके पश्चात शिविर नायिका सीता सिंह और शिविर नायक सुनील गुप्ता के द्वारा कार्यक्रम की सफलता पर सभी का धन्यवाद किया गया, कार्यक्रम अधिकारी जायसवाल जी के द्वारा सभी के लिए आभार व्यक्त किया गया, इस कार्यक्रम में एनएसएस के छात्र-छात्राओं के अलावा स्कूल के छात्र-छात्राएं सभी शिक्षक, गण मान्य नागरिक आम जनता सभी की उपस्थिति रही और सभी का सहयोग रहा।

उचित मूल्य से चावल व शक्कर चोरी के मामले में 3 आरोपियों को किया गया गिरफ्तार

-संवाददाता-
सूरजपुर,04 दिसंबर 2024 (घटती-घटना)।

दिनांक 04.12.24 को ग्राम सत्तीपारा निवासी उदित नारायण ने थाना चंदौरा में रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 03-04 नवम्बर 2024 के दरम्यिानी रात्रि में अज्ञात चोर के द्वारा ग्राम पंचायत सत्तीपारा में स्थित उचित मूल्य की दुकान का ताला तोड़कर 11 बोरी चावल व 4-5 बोरी शक्कर को चोरी कर लिया गया है। रिपोर्ट पर अज्ञात चोर के विरूद्ध धारा 331(4), 305, 3(5) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। थाना चंदौरा पुलिस ने विवेचना के दौरान संदेही कौशल राजवाड़े को पकड़ा। पूछताछ पर उसने बताया कि अपने साथी भुपेन्द्र व रामविशाल के साथ मिलकर उचित मूल्य की दुकान से चावल व शक्कर चोरी किए है। जिसके बाद पुलिस ने दबिश देकर दोनों को पकड़ा। आरोपियों के निशानदेही पर चोरी का सम्पूर्ण चावल व शक्कर कीमत 15400 रूपये का जप्त कर आरोपी कौशल राजवाड़े पिता आशा प्रसाद उम्र 27 वर्ष, रामविशाल उर्फ भगत पिता उमाशंकर उम्र 20 वर्ष व भुपेन्द्र कुमार पिता जीवधन राजवाड़े उम्र 24 वर्ष तीनों निवासी ग्राम सत्तीपारा, थाना चंदौरा को गिरफ्तार किया है।

11 से 20 दिसंबर तक प्लेसमेंट कैम्प का किया जाएगा आयोजन

-सवाददाता-
सूरजपुर,04 दिसंबर 2024 (घटती-घटना)।

जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र सूरजपुर के द्वारा प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जाना है। जिसमें निजी क्षेत्र के नियोजक एस.आई.एस. सेक्योर्टी एण्ड इन्टेलीजेन्स सर्विसज (इस्टर्न इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्र सिंगरौली के द्वारा सुरक्षा जवान के 150 पद पर 10 वीं पास पर भर्ती किया जाना है। प्लेसमेंट कैंप का आयोजन जनपद पंचायत सूरजपुर में 11 दिसंबर, जनपद पंचायत ओड़गी में 12 दिसंबर, शासकीय नवीन महाविद्यालय चांदनी बिहारपुर में 13 दिसंबर, जनपद पंचायत भैयाथान 16 दिसंबर, जनपद पंचायत प्रतापपुर में 17 दिसंबर, जनपद पंचायत प्रेमनगर में 19 दिसंबर एवं जनपद पंचायत रामानुजनगर में 19 दिसंबर को 11:00 बजे से 03:00 बजे तक किया जाना है। प्लेसमेंट कैम्प से संबंधित अधिक जानकारी के लिए जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र सूरजपुर में संपर्क कर सकते है।

मुख्यमंत्री बाल संदर्भ शिविर का किया गया आयोजन

-संवाददाता-
सूरजपुर,04 दिसंबर 2024 (घटती-घटना)।

कलेक्टर एस जयवर्धन के निर्देशन एवं महिला बाल विकास अधिकारी के मार्गदर्शन के अनुसार आयुष्मान आरोग्य मंदिर कोरमा सेक्टर सूरजपुर, जिला में मुख्यमंत्री बाल संदर्भ शिविर का आयोजन किया गया। इसमें ग्राम पंचायत कोरमा के अलावा अन्य स्थानों से जीरो से 5 वर्ष तक के बच्चों का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, इसमें मुख्य रूप से सेक्टर चिकित्सक डॉक्टर कुलदीप द्विवेदी महिला सुपरवाइजर आया तिवारी ग्रामीण स्वास्थ्य अधिकारी प्रिंस गुप्ता चंद्रकला साहू बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित रहें।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता

लोक स्वास्थ्य यात्रिकी खण्ड अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा (छ0ग0)

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा संसाधन क्र.01 दिनांक 02.12.2024

जिला जल एवं स्वच्छता सरगुजा की ओर कार्यपालन अभियंता सदस्य, जिला जल एंव स्वच्छता मिशन द्वारा आमंत्रित विदा सूचना क्रमांक 05 (सिस्टम नं.-160945), दिनांक 08.11.2014 (जी0क्र0 242503918) में अपरिहार्य कारणों से की-डेट्स में निम्नानुसार संशोधन किया जाता है:-

Bid Due Date	physical Doc. Submission End Date	Bid Open Date (Scheduled)
12 Dec,2024 5:30:00 PM	16 Dec,2024 5:30:00 PM	17 Dec,2024 10:30:00 AM

निविदा की अन्य शर्तें यथावत रहेंगी।

जी0नं0 -242504329/1

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
अम्बिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-02 जिला-सरगुजा,छ.ग.

रा0प्र0क्र0 202411021700071/अ-6/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका चंचला मण्डल पुत्री स्व0 तिलक मण्डल, निवासी ग्राम नेहरूनगर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा,छ0ग0 के द्वारा ग्राम नेहरूनगर स्थित भूमि खसरा नंबर 50/3, 52/2 50/2 रकबा क्रमशः 0.300, 0.250, 0.710 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों में के राजस्व अभिलेखों में वैध उत्तराधिकार के आधार पर सहखातेदार के रूप में अपना नाम दर्ज कराने हेतु आवेदन हेतु प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 11/12/2024 से, पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 25/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील

नायब तहसीलदार
अम्बिकापुर-02

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202411020700115

विषयः-अ-27 मामले की श्रेणीः-
राजस्व सन्ः-2024-25

पोड़ीखुर्द, प.ह.नं.00032
पक्षकारों का विवरणः-
आवेदक पक्षकार-भईयालाल
बगी,रामकेली,सगी,जगनी,सोहनी बाई
अनावेदक पक्षकार-
भइयालाल,रामकेली,बगी,सगी,सोहनी बाई,जगनी,

ईश्तहार

आवेदक रामकेली पिता बंशु पति बलसाय, निवासी ग्राम चन्दनपुर,(कोठारी) तहसील प्रतापपुर, जिला सूरजपुर,छ0ग0 के द्वारा ग्राम पोड़ीखुर्द स्थित खसरा नंबर 203/1,348/2,353/3,369/9, 376/1, 406, 407 कुल खसरा नंबर 7 कुल रकबा 1.167 हे0 भूमि को उभयपक्ष के मध्य में 1/6 अंश में बटवारा किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 23/12/2024 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावाआपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 20/11/2024 को जारी किया जाता हैं।

सील

तहसीलदार
अंबिकापुर,सरगुजा

ऑस्ट्रेलिया का गुलाबी गेंद का गुरूर होगा चूर-चूर

क्या टीम इंडिया रचेगी नया इतिहास

एडिलेड,04 दिसम्बर 2024। दिसंबर महीने की 17 तारीख को एडिलेड में शुरू हुआ था भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला। ये वो मैच है, जो हर भारतीय को अभी तक सालता है। ये वही दिन था, जब भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला पिंक बॉल टेस्ट खेला गया था। भारत तो छोड़िए, शायद ऑस्ट्रेलिया ने भी नहीं सोचा होगा कि इस मैच में आगे क्या होने जा रहा है, जो आने वाले कई साल तक याद रखा जाएगा। विराट कोहली की कप्तानी में टीम इंडिया ने टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। पहली पारी में भारत ने कोहली के 74 रनों की बदौलत 244 रन बना लिए थे, लेकिन शर्मनाक काम हुआ दूसरी पारी में, जब पूरी टीम इंडिया केवल 36 रन ही बना सकी। और उसे एक बड़ी और शर्मसार करने वाली हार का सामना करना पड़ा।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच फिर खेला जाएगा पिंक बॉल टेस्ट

इसके बाद अब एक बार फिर से भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमें पिंक बॉल टेस्ट में आमने सामने होने जा रही हैं। महीना भी दिसंबर का है और मैदान भी वही एडिलेड का। लेकिन साल 2020 से लेकर अब तक गंगा में बहुत सारा पानी बह चुका है और तस्वीर भी बदल चुकी है। इस बार भारत के पास मौका होगा कि जो अब तक पिंक बॉल टेस्ट के इतिहास में नहीं हुआ, वो अब हो। बेशक अब कोहली नहीं, बल्कि रोहित शर्मा कप्तान हैं। लेकिन टीम तो भारत की है। भारत का प्रदर्शन पिंक बॉल टेस्ट में कोई बहुत खराब नहीं रहा है। चार में से भारत ने तीन डे नाइट यानी पिंक बॉल टेस्ट जीते हैं, लेकिन विदेशी सरजमीं पर पहली जीत की तलाश अभी तक जारी है। वहीं बात अगर ऑस्ट्रेलिया की करें तो वेस्टइंडीज के अलावा बाकी दुनिया की कोई भी टीम उसे पिंक बॉल टेस्ट में मात देने में कामयाब नहीं हुई है। एक मैच हारे भी हैं, वो गाबा में हुआ था। एडिलेड में तो अभी तक ऐसा नहीं हुआ कि ऑस्ट्रेलियाई टीम हारकर मैदान से वापस गई हो।

पिंक बॉल टेस्ट में भारत और ऑस्ट्रेलिया का रिकॉर्ड

अब आपको पिंक बॉल टेस्ट के बारे में विस्तार से कुछ बातें बताते हैं। भारत ने अब तक चार पिंक बॉल टेस्ट खेले हैं, उसमें से तीन में उसे जीत मिली है और एक में हार का सामना करना पड़ा है।

ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 12 पिंक बॉल टेस्ट खेलकर उसमें से 11 जीते हैं और एक में ही उसे अपने घर पर हार का मुंह देखना पड़ा है। वैसे तो आप यहां लगे ग्राफिक्स में भी देख ही सकते हैं, लेकिन आपको बता दें कि भारत के लिए पिंक बॉल टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज विराट कोहली हैं और इसके बाद दूसरे नंबर पर रोहित शर्मा आते हैं। भारत के दोनों धुरंधर 6 दिसंबर से एडिलेड में भी खेलते हुए नजर आने वाले हैं। ऑस्ट्रेलिया के लिए पिंक बॉल टेस्ट में सबसे ज्यादा रन मार्नस लाबुशेन और स्टीव स्मिथ ने बनाए हैं। ये दोनों खिलाड़ी भी अगले मुकाबले में खेलते हुए नजर आएंगे। यानी मुकाबला बराबरी का और कड़ाकेदार भी होगा।

भारत के कई खिलाड़ी पहली बार खेलेंगे पिंक बॉल टेस्ट

टीम इंडिया के सामने मुश्किल है ये है कि उसके पास पिंक बॉल टेस्ट खेलने का बहुत ज्यादा अनुभव नहीं है। अगले मैच में भारत की प्लेइंग इलेवन क्या होगी, ये तो अभी नहीं पता है, लेकिन ये पक्का है कि कम से कम पांच से छह खिलाड़ी ऐसे जरूर होंगे, जो पिंक बॉल टेस्ट में अपना डेब्यू करते हुए दिखाई दे सकते हैं। नए प्लेयर्स को तो छोड़ दीजिए, केएल राहुल और मोहम्मद सिराज ने भी अभी तक इस तरह का टेस्ट नहीं खेला है, जो उनके लिए पहला अनुभव होगा। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम अब इसकी आदी हो चुकी है और उसके लिए ये मुकाबला कोई नई बात नहीं है।

डे नाइट टेस्ट की कुछ रोचक बातें

डे नाइट यानी पिंक बॉल टेस्ट के बारे में कुछ रोचक बातें भी आपको जाननी चाहिए। अभी तक कुल मिलाकर 22 पिंक बॉल टेस्ट सभी टीमों ने मिलकर खेले हैं, उनकी खास बात ये है कि सभी में रिजल्ट निकला है, यानी कोई भी मैच बराबरी पर खत्म नहीं हुआ है। इनमें से केवल 5 ही टेस्ट ऐसे रहे, जो पांच दिन तक गए हैं, बाकी सभी मैच इससे पहले ही खत्म हो गए हैं। दो टेस्ट ऐसे भी रहे, जिनका रिजल्ट केवल दो ही दिन में सामने आ गया। यानी अगर आप उम्मीद कर रहे हैं कि भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया अगला मुकाबला ड्रॉ हो जाएगा तो ऐसा शायद नहीं होगा। सवाल यही होगा कि ये मैच कितने दिन में खत्म होगा।

विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह फिर ऑस्ट्रेलिया में खेलेंगे पिंक बॉल टेस्ट

साल 2020 में एडिलेड पिंक बॉल टेस्ट में जो टीम इंडिया खेली थी, उसमें से केवल दो ही खिलाड़ी ऐसे हैं, जो 6 दिसंबर से शुरू होने वाले मुकाबले में भी हमें नजर आएंगे। बाकी काफी कुछ टीम बदल चुकी है। हालांकि रविचंद्रन अश्विन भी चार साल पहले वाली टीम की प्लेइंग इलेवन में थे, लेकिन इस बार उन्हें मौका मिलेगा कि नहीं, अभी कहना मुश्किल है। यानी विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह के पास मौका होगा कि जो हाल तब ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय टीम का किया था, कुछ वैसा ही भारतीय टीम इस मैच में ऑस्ट्रेलिया का करे।

भारत को पहली बार दर्ज करनी है पिंक बॉल टेस्ट में विदेशी सरजमीं पर जीत

भारतीय टीम के पास ये सुनहरा मौका होगा कि पिंक बॉल टेस्ट में पहली बार विदेशी सरजमीं पर जीत दर्ज करे और दुनिया को बताए कि भारत डे नाइट टेस्ट में विदेश में भी जीत दर्ज कर सकता है। मुकाबले में अब कुछ ही वक्त बाकी है, लेकिन रणनीति पर विचार विमर्श जारी है। ऐसा कौन सा दांव खेला जाए कि विरोधी टीम चारोखाने चित्त हो जाए, ये देखना काफी रोचक होगा। भारतीय टीम सीरीज का पहला मैच जीतकर इस वक्त फ्रंटफुट पर है, वहीं ऑस्ट्रेलिया के लिए ये मुश्किल वक्त है। लेकिन ऑस्ट्रेलियाई टीम पलटवार के लिए जानी जाती है, ऐसे में उसके हल्के में नहीं लिया जा सकता।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से अहम है भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया पिंक बॉल टेस्ट भारत और ऑस्ट्रेलिया के लिए ये 5 मैचों की सीरीज इसलिए भी अहम है, क्योंकि इसी से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का रास्ता भी तय होगा। टीम इंडिया जहां डब्ल्यूटीसी प्वाइंट्स टेबल में फिर से टॉप की कुर्सी पर काबिज हो गई है, वहीं ऑस्ट्रेलिया को तीसरे नंबर पर जाना पड़ा है। अब ऑस्ट्रेलिया के लिए फाइनल खेलने का रास्ता इतना भी आसान नहीं रहा, जितना पहले माना जा रहा था। वहीं भारतीय टीम का काम एक दो जीत से नहीं बनेगा। उसे कोई मैच हारना मना है। ऐसे में जब दोनों टीमों के धुरंधर मैदान में आमने सामने होंगे, तो हर एक बार रोमांच का पूरा अनुभव देने वाली है।

शाहीन को टेस्ट में आराम

लाहौर, 04 दिसम्बर 2024। पाकिस्तान ने आगामी दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए टीम की घोषणा कर दी है, जिसमें बाबर आजम के साथ मोहम्मद रिजवान, सैम अयूब और सलमान अली आगा को तीनों टीमों में शामिल किया है। इस दौरे में तीन टी20, तीन वनडे और दो टेस्ट शामिल हैं, जो 10 दिसंबर से 7 जनवरी तक चलेगा। तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी, जो इंग्लैंड के खिलाफ पिछले दो टेस्ट से भी चूक गए थे, उन्हें कार्यभार प्रबंधन के तहत सफेद गेंद के मैचों के लिए चुना गया है। नसीम शाह को टेस्ट और वनडे के लिए चुना गया है।

चयन समिति के सदस्य और अंतरिम सफेद गेंद हेड कोच आकिब जावेद ने कहा, शाहीन शाह अफरीदी को टेस्ट टीम से बाहर करना एक रणनीतिक फैसला है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वह आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से तरोताजा रहें। इसी तरह, फखर जमान के नाम पर विचार नहीं किया गया, क्योंकि वह अभी फॉर्म और मैच फिटनेस हासिल नहीं कर पाए हैं। तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास भी टेस्ट टीम में वापसी कर रहे हैं, जिन्होंने आखिरी बार अगस्त 2021 में जमैका में खेला था। इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी दो टेस्ट से चूकने के बाद नसीम को भी चार सदस्यीय तेज गेंदबाजी आक्रमण में शामिल किया गया है।

सेमीफाइनल की चारों टीमें हो गईं तय

भारत-पाकिस्तान में हो सकता है फाइनल

नई दिल्ली, 04 दिसम्बर 2024। एसीसी अंडर-19 एशिया कप 2024 का कारवां अपने अंतिम पड़ाव की तरफ पहुंच चुका है। 29 नवंबर से शुरू हुए इस टूर्नामेंट फैंस को कई रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। टूर्नामेंट में कुल 8 टीमें ने हिस्सा लिया। इन सभी टीमों ने सेमीफाइनल में जाने के लिए पुरजोर कोशिश, लेकिन अंत में बाजी चार टीमों के हाथ लगी। इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में एंट्री पाने वाली चारों टीमें तय हो गई हैं। पाकिस्तान ने अपने आखिरी ग्रूप स्टेज मैच में जापान को हराया जबकि भारत ने मेजबान यूएई को करारी शिकस्त देते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई।

पाकिस्तान ने ग्रूप में किया टॉप

ग्रूप-ए में पाकिस्तान की टींम ने दमदार प्रदर्शन किया और अपने सभी मुकाबले जीतते हुए अगले राउंड में एंट्री मारी। पाकिस्तान ने अपने पहले मैच में भारत को 43 रनों से मात दी। इसके बाद यूएई को 69 रनों से हराया। अपने आखिरी ग्रूप स्टेज मैच में पाकिस्तान ने जापान को 180 रनों से रौंदा। इसी के साथ उसने प्वाइंट्स टेबल में पहले स्थान पर रहते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई। इस ग्रूप में भारत दूसरे नंबर पर रहा। भारत अपना पहला मैच पाकिस्तान से हारने के बाद जापान और यूएई को हराने में कामयाब रहा। दूसरी तरफ, ग्रूप-बी में श्रीलंका ने अपने तीनों मैच जीतते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई जबकि बांग्लादेश ने अपने 3 मैचों में से 2 जीत के साथ अगले राउंड में प्रवेश किया।

8 दिसंबर को खेला जाएगा फाइनल

ग्रूप-ए से सेमीफाइनल के लिए पाकिस्तान और भारत, तो ग्रूप बी से श्रीलंका और बांग्लादेश की टीमों ने क्वालीफाई किया है। पहला सेमीफाइनल मुकाबला ग्रूप-ए में टॉप पर रही पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच 6 दिसंबर को दुबई में खेला जाएगा। वहीं दूसरा सेमीफाइनल भारत और श्रीलंका के बीच 6 दिसंबर को शाहजाह क्रिकेट स्टेडियम में होगा। ये दोनों ही मुकाबले एक ही समय पर खेले जाएंगे। दोनों मैचों का आगाज भारतीय समयानुसार सुबह 10 बजकर 30 मिनट पर होगा। सेमीफाइनल जीतने वाली टीमें फाइनल में पहुंच जाएगी। फाइनल मैच 8 दिसंबर को दुबई के दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में होगा।

सेमीफाइनल और फाइनल का शेड्यूलः

6 दिसंबरः पाकिस्तान बनाम बांग्लादेश, दुबई

6 दिसंबरः भारत बनाम श्रीलंका, शाहजाह

8 दिसंबरः फाइनल, दुबई

भारत और पाकिस्तान में फिर हो सकती है भिड़ंत

अगर भारत और पाकिस्तान दोनों ही अपना सेमीफाइनल मैच जीतने में कामयाब रहती हैं, तो फाइनल में दोनों टीमों की भिड़ंत होगी। इस तरह टूर्नामेंट में दूसरी बार दोनों टीमों का आमना-सामना होगा।

हार्दिक पांड्या नहीं खेल पाएंगे पहला मैच

नई दिल्ली, 04 दिसम्बर 2024। आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन से पहले मुंबई इंडियंस ने साफ कर दिया था कि अपकमिंग सीजन में भी टीम की कमान हार्दिक पांड्या के हाथों में ही होगी। लेकिन,इससे पहले मुंबई के लिए एक बुरी खबर सामने आई है । टीम के कप्तान हार्दिक अगले सीजन का पहला मैच नहीं खेल पाएंगे,क्योंकि बीसीसीआई ने उनपर बैन लगा दिया है. तो आइए आपको उस वजह के बारे में बताते हैं, जिसके चलते कैप्टन पर ये बैन लगा है। आईपीएल 2025 को शुरू होने में अभी टाइम है, लेकिन इससे पहले मुंबई इंडियंस को बड़ा झटका लगा है। उनके कप्तान यानी हार्दिक पांड्या अपकमिंग सीजन का पहला मैच मिस करने वाले हैं। बात कुछ ऐसी है कि कप्तान हार्दिक के ऊपर स्लो ओवर रेट की वजह से बैन लगाया गया है। नियम के मुताबिक आईपीएल के एक सीजन में 3 बार स्लो ओवर रेट पाए जाने पर टीम के कप्तान पर 1 मैच का बैन लगा दिया जाता है और आईपीएल 2024 में मुंबई 3 बार स्लो ओवर रेट की दोषी पाई गई। यही वजह है कि अब आईपीएल 2025 में हार्दिक पहला मैच नहीं खेल पाएंगे.अब जब हार्दिक पांड्या पहला मैच नहीं खेल पाएंगे,तो सवाल उठता है कि आखिर उनकी गैरमौजूदगी में मुंबई इंडियंस की कप्तानी कौन करेगा? वैसे तो मुंबई के पास कप्तानी विकल्पों की कमी नहीं है. हार्दिक पांड्या, रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव में से कोई भी खिलाड़ी ये जिम्मेदारी बखूबी संभाल सकता है. मगर, रिपोर्ट्स की मानें, तो हार्दिक की गैरमौजूदगी में आईपीएल 2025 में सूर्या टीम की कप्तानी करते नजर आ सकते हैं.हार्दिक पांड्या, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, जसप्रीत बुमराह, तिलक वर्मा, ट्रेंट बोल्ट, नमन धीर, रॉबिन मिंज, कर्ण शर्मा, रियान रिकल्टन, दीपक चाहर, अल्लाह गजनफर, विल जैक्स, अश्विनी कुमार, मिचेल सेंटनर, रीस टॉप्ली, श्रीजिथ कृष्णा, एस राजू, बेवेन जैकब्स, अर्जुन तेंदुलकर, लिजाड विलियम्स, विग्रेश पुथुर, राज अंगद बावा।

पुष्पा 2 ने 1 मिलियन टिकट सेल कर रचा इतिहास

कमाए 50 करोड़, कल्कि 2898 एडी समेत तोड़ा इन फिल्मों का रिकॉर्ड

अल्लू अर्जुन स्टारर मोस्ट अवेटेड फिल्म पुष्पा 2 द रूल वर्ल्डवाइड रिलीज होने के लिए बॉक्स ऑफिस की दहलीज पर खड़ी है. पुष्पा 2 द रूल आगामी 5 दिसंबर को रिलीज के लिए तैयार है। अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना के फैंस के दिल की धड़कनें तेज होती जा रही हैं। पुष्पा 2 द रूल की एडवांस बुकिंग की बात करें तो फिल्म छप्पर फाड़ कमाई कर रही है। एडवांस बुकिंग के मामले में पुष्पा 2 द रूल टिकट सेल करके बहुत आगे निकल गई है। अब पुष्पा 2 द रूल ने एड़वांस बुकिंग में मौजूदा साल 2024 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म कल्कि 2898 एडी को बहुत पीछे छोड़ दिया है। इसके अलावा पुष्पा 2 द रूल ने केजीएफ और बाहुबली 2 को भी पछाड़ दिया है। बता दें, बुकमायशो पर पुष्पा 2 ने 1 मिलियन टिकट सेल कर केजीएफ 2, बाहुबली 2 और कल्कि 2898 एडी को पछाड़ दिया है। सैकनिल्क के अनुसार, पुष्पा 2 एडवांस बुकिंग में पहले दिन 3 लाख टिकट सेल किए थे. वहीं, अब पुष्पा 2 बुक मायशो डॉट कॉम पर सबसे तेज एक मिलियन टिकट सेल करने वाली फिल्म बन गई है। इस रेस में पुष्पा 2 ने कल्कि 2898 एडी और बाहुबली 2 को पीछे छोड़ दिया है। साथ ही फैंस के चहेते के एक्टर यश स्टारर ब्लॉकबस्टर फिल्म केजीएफ 2 को भी पछाड़ दिया है। बता दें,हैदराबाद,बेंगलुरु,मुंबई, दिल्ली एनसीआर और पुणे में पुष्पा 2 को लेकर बड़ा क्रेज है। सैकनिल्क की मानें तो पुष्पा 2 ने 21,781 शो के लिए 11, 65,285 टिकट सेल कर 36, 22,44, 215 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। पुष्पा 2 ने सबसे ज्यादा तेलुगू (2डी) में 3939 शो के लिए 4,98,149 टिकट सेल कर , 17,65,76,982.07 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। वहीं, हिंदी (2डी) 12,516 शो के लिए पुष्पा 2 ने 4,23,610 टिकट सेल कर 12,18, 01137.98 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। वहीं, तमिल (2डी) में 1092 शो के लिए 50,290 टिकट सेल कर 83,51,820.55 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। वहीं, ब्लैक सीट को मिलाकर पुष्पा 2 ने एडवांस बुकिंग में 49.79 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। पुष्पा 2 की एडवांस बुकिंग के आंकड़ों को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि अल्लू अर्जुन की फिल्म 50 करोड़ रुपये से ज्यादा से ओपनिंग कर सकती है। वहीं, पुष्पा 2 मौजूदा साल की सबसे बड़ी ओपनिंग लेने वाली प्रभास स्टारर फिल्म कल्कि 2898 एडी 95 करोड़ (इंडिया) 180 करोड़ (वर्ल्डवाईड) का रिकॉर्ड तोड़ सकती है।बता दें, पुष्पा 2 को सुकुमार ने बनाया है। पुष्पा 2 में देवी श्री प्रसाद का तड़क-भड़क म्यूजिक सुनने को मिलेगा। वहीं, मूवी मैत्री मेकर्स ने फिल्म को प्रोड्यूस किया है और सुकुमार के साथ अल्लू अर्जुन की यह चौथी फिल्म है।

प्रतीक गांधी की फिल्म अग्नि का ट्रेलर जारी

6 दिसंबर से अमेजन प्राइम वीडियो पर होगी स्ट्रीम

प्राइम वीडियो ने एक्सेल एंटरटेनमेंट के साथ मिलकर अपनी अपकमिंग फिल्म अग्नि का दमदार ट्रेलर जारी किया। अग्नि फायरफाइटर्स की वो कहानी है, जो उनकी निर्भीक भावना, सम्मान और बलिदान को समर्पित है। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फ़िल्म निर्माता राहुल ढोलकिया द्वारा निर्देशित और लिखित ये फिल्म एक्सेल एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित है। फिल्म में प्रतीक गांधी और दिव्येंदु शर्मा अहम भूमिकाओं में हैं.दिव्येंदु शर्मा की ये फिल्म अग्नि' 6 दिसंबर को प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होने वाली है। इसको लेकर फिम के निर्देशक राहुल ढोलकिया ने कहा कि, मुझे एक ऐसी कहानी जीवित करने का अवसर मिला है, जो ना केवल हमारे फायरफाइटर्स की बहादुरी का जश्न मनाती है, बल्कि उनके भावनात्मक यात्रा को भी दर्शाती है। फायरफाइटर्स असली हीरो होते हैं, जो केवल आग बुझाने का काम नहीं करते. वो जान भी बचाते हैं। आपदाओं का सामना करते हैं और अटूट समर्पण के साथ अनगिनत उच्च जोखिम वाली चुनौतियों का सामना करते हैं। वहीं प्रतीक गांधी ने कहा कि, मैं प्राइम वीडियो और एक्सेल एंटरटेनमेंट के साथ अग्नि के लिए फिर से जुडने़ के लिए बेहद आभारी हूं, ये एक ऐसा प्रोजेक्ट है जो मेरे दिल के बेहद करीब है। ये सिर्फ एक फिल्म नहीं है. ये हमारे समाज के गुमनाम नायकों-फायरफाइटर्स के साहस के लिए एक श्रद्धांजलि है। इसलिए ऐसे किरदार को चित्रित करना एक सम्मान की बात है। इनके अलावा दिव्येंदु शर्मा ने भी फिल्म को लेकर बात की और कहा कि, मिर्जापुर के साथ जिस अद्भुत यात्रा से मैं गुजऱा हूं,उसके बाद अग्नि का प्राइम वीडियो पर रिलीज़ होना मेरे लिए घर वापसी जैसा है,खासकर एक्सेल एंटरटेनमेंट में हमारे भरोसेमंद रचनात्मक मास्टरमाइंड के साथ। इसमें में एक पुलिसकर्मी का किरदार निभा रहा हूं,जो फायरफाइटर्स की दुनिया में गहराई से उतरता है और उन असली नायकों की कहानियों को प्रस्तुत करता है जो हमें बचाने के लिए अपनी जान जोखिम में डालते हैं।

आलिया भट्ट करेंगी हॉरर फिल्म चामुंडा

बॉलीवुड को स्त्री 2' जैसी ब्लॉकस्टर फिल्म देने वाले दिनेश विजान बहुत जल्द बॉक्स ऑफिस पर बड़ा धमाका करने वाले हैं. जल्द ही दिनेश एक नई सुपरनैचुरल हॉरर फिल्म लेकर आ रहे हैं। जिसका नाम चामुंडा है. खबरें हैं कि दिनेश की इस फिल्म में श्रद्धा कपूर नहीं बल्कि आलिया भट्ट सबको डराने वाली हैं। रिपोर्ट के मुताबिक आलिया भट्ट इस वक्त दिनेश विजान की फिल्म चामुंडा' के लिए उनके चर्चा कर रही हैं। वहीं मेकर्स भी आलिया पर बड़ा दांव लगाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। हाल ही में आलिया को कई बार मैडॉक फिल्म्स के ऑफिस में भी स्पॉट किया गया है। वहीं जानकारी के अनुसार आलिया को दिनेश विजान की ये सुपरनैचुरनल थ्रिलर फिल्म काफी पसंद आई है। एक्ट्रेस अगले साल फिल्म को साइन भी कर सकती हैं।जानकारी की अनुसार इस फिल्म में पहले बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी नजर आने वाली थी। उस वक्त फिल्म का टाइटल देवी बताया जा रहा था लेकिन अब इसे बदलकर चामुंडा' कर दिया गया है। बता दें दिनेश विजान की स्त्री 2' ने हाल ही में रिकॉर्ड तोड़ कमाई की थी। जिसमें श्रद्धा कपूर, राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी और तमन्ना भाटिया जैसे स्टार्स नजर आए थे। वहीं बात करें आलिया भट्ट के वर्कफ्रंट की तो एक्ट्रेस आखिरी बार फिल्म जिगरा' में नजर आई थी। जिसमें उनके साथ वेदांग रैना भी अहम किरदार में थे। उन्होंने एक्ट्रेस के भाई का रोल निभाया था। वहीं इसके अलावा आलिया की पाइपलाइन में अल्फा' भी है. जिसमें वो शरवरी वाघ के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। बता दें कि आलिया भट्ट अपने बिजी शेड्यूल के बीच फैमिली पर भी पूरी ध्यान दे रही हैं। हाल ही में वो अपने पति रणबीर कपूर और बेटी राहा कपूर के साथ मैच देखने स्टेडियम पहुंची थी। जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई हैं।

केंद्र से छत्तीसगढ़ को मिली बड़ी सौगात

» अब हर गरीब का घर का सपना होगा पूरा...
» प्रदेश के नगरीय निकायों में बनेंगे 15 हजार मकान...
» केंद्र से मिली मंजूरी...
» कमजोर आय वर्ग के लोगों को मिलेगी आर्थिक मदद...
» पहले चरण में प्रदर्शन के आधार पर मिली स्वीकृति...
» प्रदेश के सभी शहर योजना में किए जाएंगे शामिल...

गरीब के पक्के मकान का सपना होगा पूराःसीएम

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने केंद्र सरकार को धन्यवाद देते हुए कहा कि राज्य में जल्द ही हर गरीब के पक्के मकान का सपना पूरा होगा। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में आवासों का निर्माण तेजी से पूरा किया जा रहा है। सरकार अंतिम छोर पर खड़े हर व्यक्ति तक योजना का लाभ पहुंचाना तय किया जाएगा।

रायपुर,04 दिसम्बर 2024(ए)। प्रदेश के नगरीय निकायों में 15 हजार मकान बनाए जाएंगे। ये मकान प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत बनाए जाएंगे। योजना के पहले चरण में अच्छे प्रदर्शन के आधार पर केंद्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय ने छत्तीसगढ़ में 15 हजार नए आवासों की मंजूरी दी है।राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के सचिव को प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के अंतर्गत 15 हजार नए आवासों की सैद्धांतिक स्वीकृति का पत्र आया है। पत्र में केंद्र सरकार ने छत्तीसगढ़ को मार्च-2025 तक 15 हजार नए मकानों की स्वीकृति दे दी है।

इसके साथ ही इन नए आवासों को मंजूरी प्रदान करने के पीछे राज्य में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के त्वरित क्रियान्वयन का भी जिक्र है। राज्य के सभी नगरीय निकायों के लिए आवास स्वीकृत करते हुए इसकी सूची भी भेजी गई है।मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नए आवासों की मंजूरी के लिए केंद्र सरकार का आभार व्यक्त किया है।

एक सितंबर से शुरू हुआ क्रियान्वयन

केंद्र सरकार के शहरी क्षेत्रों में सबके लिए आवास मिशन के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 का क्रियान्वयन एक सितंबर से शुरू हो गया है। इसके तहत कमजोर आय वर्गों, निम्न आय वर्गों और मध्यम आय वर्गों के शहरी गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को किफायती दरों पर आवास निर्माण, खरीदी या किराए पर उपलब्ध कराने के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।इसका सर्वे भी शुरू हो गया है और हितग्राहियों की जानकारी भारत सरकार के पोर्टल में दर्ज की जा रही है। नगरीय प्रशासन विभाग के सचिव ने राजस्व कार्यालयों में हितग्राहियों के लंबित जाति प्रमाण पत्र और आय प्रमाण पत्र प्राथमिकता से जारी करने राजस्व विभाग को पत्र भी लिखा है।

क्रियान्वयन पर जोर

छत्तीसगढ़ को मार्च 2025 तक 15 हजार नए आवासों की स्वीकृति मिल चुकी है, और इसके साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के त्वरित क्रियान्वयन पर भी जोर दिया गया है। केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने राज्य शासन को पात्र हितग्राहियों का परीक्षण कर भारत सरकार को विधिवत प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए हैं।

रैपिड असेसमेंट सर्वे की शुरुआत

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत 1 सितंबर 2024 से शहरी क्षेत्रों में सबके लिए आवास मिशन की शुरुआत की गई है। इस योजना का उद्देश्य कमजोर आय वर्ग, निम्न आय वर्ग और मध्यम आय वर्ग के शहरी गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को किफायती दरों पर आवास निर्माण, खरीदारी या किराए पर उपलब्ध कराने के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करना है।

इस योजना के तहत छत्तीसगढ़ में 15 नवम्बर 2024 से रैपिड असेसमेंट सर्वे शुरू कर दिया गया है, जिसमें हितग्राहियों की जानकारी भारत सरकार के पोर्टल पर दर्ज की जा रही है।

उप मुख्यमंत्री का संदेश

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने 15 हजार नए आवासों की स्वीकृति पर खुशी जताई और कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार हर पात्र परिवार को आवास देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी नगरीय निकायों को निर्देश दिए हैं कि वे अधिक से अधिक हितग्राहियों तक योजना का लाभ पहुंचाएं। साव ने हितग्राही सर्वेक्षण के दौरान दस्तावेजों की कमी को लेकर भी निर्देश दिए कि आवेदनों को तत्काल निरस्त न किया जाए और संबंधित परिवारों को दस्तावेज पूरी करने के लिए पर्याप्त समय दिया जाए।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

4 आईएफएस अधिकारियों की हुई नवीन पदस्थापना

रायपुर,04 दिसम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ राज्य सरकार ने 2022 बैच के ट्रेनी भारतीय वन सेवा अधिकारियों को प्रशिक्षण के लिए विभिन्न वनमण्डलों में उप-वनमण्डलाधिकारी के पद पर नियुक्त किया है। इनमें दुगली वन परिक्षेत्र के दिपेश कपिल, माकड़ी वन परिक्षेत्र के नवीन कुमार, माचकोट वन परिक्षेत्र के वेंकटेशा एम.जी. और रेंगाखार वन परिक्षेत्र के अभिषेक शामिल हैं। वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के द्वारा जारी आदेश के मुताबिक प्रशिक्षु आईएफएस दिपेश कपिल को अंबिकापुर उप वन मंडलाधिकारी बनाया गया है। एस नवीन कुमार को रायगढ़ उप वनमंडाधिकारी बनाया गया है।. वेंकटेश एम जी को महासमुंद उप वनमंडलाधिकारी बनाया गया है। अभिषेक अग्रवाल को राजनांदगांव उप वनमंडलाधिकारी बनाया गया है।

कांग्रेसियों का झगड़ा बैकफुट पर पूर्व महापौर, लिखित में मांगी क्षमा...

बिलासपुर,04 दिसम्बर 2024(ए)। बिलासपुर में कांग्रेस नेताओं के बीच गाली-गलौज का घटनाक्रम अब पूर्व मेयर राजेश पांडेय की माफी मांगने के बाद समाप्त हो गया है। जिलाध्यक्ष विजय पांडेय ने कहा कि, उनके खेद व्यक्त करने के बाद उन्हें चेतावनी दी गई है कि, भविष्य में इस तरह की अनुशासनहीनता न करें। जिसके बाद इस विवाद का पटाक्षेप हो गया है।

रसगुल्ला के लिए हुआ कत्ल

शादी पार्टी में मच गई अफरातफरी

दुर्ग,04 दिसम्बर 2024(ए)। दुर्ग जिले के जेवरा सिरसा चौकी क्षेत्र में एक शादी पार्टी के दौरान दो नाबालिग लड़कों के बीच इतना विवाद बढ़ा कि एक ने दूसरे के पेट में चाकू घोंप दिया। इससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद आरोपी खुद जेवरा सिरसा चौकी पहुंचा और खुद को पुलिस के हवाले कर दिया। जेवरा सिरसा चौकी पुलिस से अभी इतनी जानकारी मिली है कि ग्राम जेवरा में मंगलवार शाम एक शादी थी। वहां पार्टी के दौरान रसगुल्ला ना देने पर दो नाबालिग लड़कों के बीच विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि आदतन बदमाश लड़क ने अपने जेब से चाकू निकाला और दूसरे को मार दिया। चाकू लगने से दूसरा नाबालिग लहूलुहान होकर वहीं गिर गया। इससे वहां भगदड़ मच गई। इसके बाद आरोपी वहां से निकला और जेवरा सिरसा चौकी पहुंचा। यहां उसने खुद को सरेंडर करते हुए पुलिस को जानकारी दी कि उसने एक लड़के को चाकू मार दिया। पुलिस तुरंत उसे लेकर मौके पर पहुंची। घायल को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर थाने भेजा। साथ ही शव को पीएम के लिए मरचुरी भेजा गया।

भूकंप के तेज झटके

बस्तर के कई जिलों में कांपी धरती

जगदलपुर/सुकमा,04 दिसम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में बुधवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप के झटके सुबह 7:32 के करीब महसूस किया गया। दोरनापाल, कोंटा के लोग डर के मारे अपने घरों से बाहर निकले। वहीं भूकंप से किसी भी प्रकार के नुकसान की खबर नहीं है। सुकमा सहित दोरनापाल, कोंटा, गादीरास सभी जगह भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं।वहीं बीजापुर में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। इसके अलावा नारायणपुर में एक सैकेंड भूकंप आया।वहीं भूकंप के झटके की यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। भूकंप की तीव्रता रिएक्टर स्केल में 5.3 आंकी गई है।

ब्लेजर घोटाले का मामला आया सामने

» बिना टेंडर के स्वामी आत्मानंद स्कूलों के लिए 2 करोड़ के ब्लेजर की हो गई खरीदी...
» सीएजी की टीम करेगी मामले की जांच...
» कई जिलों में तो डीएमएफ के भरोसे चल रहे हैं आत्मानंद स्कूल...

बिलासपुर,04 दिसम्बर 2024(ए)। कांग्रेस की सरकार की पहल पर प्रदेश भर में बने आत्मानंद स्कूलों को हर वर्ष मिलने वाले फण्ड से होने वाली खरीदी में गड़बड़ी का एक और किस्सा उजागर हो गया है। बिलासपुर जिले में जिला खनिज न्यास से मिले फण्ड का दुरुपयोग कर स्वामी आत्मानंद स्कूलों (सेजेस) के छात्रों को ब्लेजर, ट्रैक सूट और टी-शर्ट की खरीदी में भारी गड़बड़ी का मामला सामने आया है। जिले के 31 स्कूलों के लिए की गई इस खरीदी की महालेखाकार की टीम द्वारा जल्द ही ऑडिट किये जाने की खबर है। इससे शिक्षा विभाग में हड़कंप मचा हुआ है, क्योंकि डीएमएफ की निधि से यह कोई पहली गड़बड़ी नहीं है, बल्कि कई जिलों में तो डीएमएफ से ही आत्मानंद स्कूलों का पूरा खर्च चलाया जा रहा है।

दोगुनी कीमत पर खरीदे गए ब्लेजर

दरअसल बिलासपुर जिले में 31 आत्मानंद स्कूलों के लिए ब्लेजर और अन्य सामग्री के वितरण के लिए डीएमएफ से 2 करोड़ रुपये जारी किए गए थे। शिकायत हैं कि खरीदी प्रक्रिया में न तो टेंडर जारी किए गए और न ही कोटेशन मंगवाए गए। यहां बाजार दर से दोगुनी कीमत पर ब्लेजर खरीदने का आरोप है। यह ब्लेजर बाजार में 900 से 1200 रुपये में उपलब्ध हैं, मगर स्कूलों ने इसे 2500 रुपये प्रति ब्लेजर की दर से खरीदा।

बिना टेंडर सी मार्ट को दे दिया आर्डर

शिकायत है कि सरकंडा स्थित सी-मार्ट को बिना प्रक्रिया के सामग्री आपूर्ति का आदेश दे दिया गया। इसने ब्लेजर बनाने का ठेका एक पंजीकृत समूह को दिया। आपूर्ति किये गए इन ब्लेजर्स की गुणवत्ता और लागत में भारी अंतर पाया गया है। सरकारी नियमों के अनुसार, 1 लाख से अधिक लागत वाली किसी भी खरीदारी के लिए ओपन टेंडर की प्रक्रिया अनिवार्य है, लेकिन इस मामले में इसे पूरी तरह नजरअंदाज किया गया।

शिकायत की सीएजी की टीम करेगी जांच

बिलासपुर जिले में संचालित 31 आत्मानंद स्कूलों में विद्यार्थियों के लिए नियम विरुद्ध ब्लेजर की खरीदी की जांच महालेखाकार की टीम द्वारा जल्द ही किये जाने की जानकारी मिली है। इस जांच से जिम्मेदारियां तय होंगी कि आखिर किनकी मिलीभगत से करोड़ों की यह गड़बड़ी की गई है।

नगरीय निकाय चुनाव में आरक्षण पर अध्यादेश जारी

» आरक्षण की सीमा बढ़ाकर 50 प्रतिशत की गई...

रायपुर,04 दिसम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ की साय सरकार ने नगरीय निकाय चुनाव में वार्डों के आरक्षण को लेकर एक महत्वपूर्ण अध्यादेश जारी किया है। इस अध्यादेश के तहत आरक्षण की अधिकतम सीमा को बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया गया है।

इस नए आदेश के तहत कुछ विशेष प्रावधान भी हैं। यदि किसी वार्ड में एससी-एसटी की आबादी 50 प्रतिशत या उससे अधिक है, तो ओबीसी वर्ग को आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा। यह फैसला राज्य में नगरीय निकायों के चुनाव को लेकर आरक्षण प्रणाली को और अधिक स्पष्ट और समुचित बनाने के उद्देश्य से लिया गया है।इस अध्यादेश को छत्तीसगढ़ नगरपालिक निगम अधिनियम, 1956 (क्र. 23 सन् 1956) में आवश्यक संशोधन के रूप में जारी किया गया है। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल ने इस अध्यादेश को पचहत्तरवें स्वतंत्रता वर्ष के अवसर पर भारत के संविधान के अनुच्छेद 213 के खंड (1) के तहत लागू किया। राज्य विधानमंडल का सत्र न होने के कारण राज्यपाल ने इसे तत्काल प्रभाव से प्रख्यापित किया है।

हर्बल गार्डन में पत्थरों के नाम पर 17 लाख रुपए का घोटाला

दंतेवाड़ा,04 दिसम्बर 2024(ए)। हर्बल गार्डन के नाम पर दंतेवाड़ा के वन विभाग ने अपनी सीमाएं लांघ दी हैं। विभाग ने इसे देश का पहला वन मंदिर बताते हुए बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया है। करीब 4.5 करोड़ रुपये की हर्बल गार्डन योजना में विभाग द्वारा चेकर टाइल्स भी ठीक से नहीं लगाई गई हैं। साथ ही पौधों की खरीदारी में लाखों रुपये की हेराफेरी की गई है। तुलसी, गेंदा, आंवला और अशोक जैसे पौधे, जो बाजार में 50 से 200 रुपये तक उपलब्ध हैं, उन्हें 10 गुना ज्यादा कीमत पर खरीदी गई। इसके अलावा, गार्डन में ष्ठस्न्न की राशि में भी बंदरबांट किया गया, जिसमें राज्य की जीवनदायिनी नदियों को भी नहीं छोड़ा गया। नदी के पत्थरों के नाम पर भी लाखों रुपये का गबन किया गया।

हर्बल गार्डन में विभाग ने इंद्रावती नदी के कुछ पत्थरों को एक के ऊपर एक सजाकर उन्हें श्रॉक गार्डनश् का नाम दे दिया और इन पत्थरों के नाम पर लगभग 7 लाख रुपये का खर्च दिखाया गया। साथ ही अन्य निर्माण कार्यों के नाम पर 10 लाख रुपये खर्च बताये जा रहे हैं।

चार हिस्सों में बांटा 17 लाख का खर्च

रॉक गार्डन के नाम पर बंदरबांट को अंजाम देने के लिए विभाग ने एक ही कार्य को कई हिस्सों में बांटकर खर्च का अनुमान तैयार किया। ऐसा इसलिए किया गया ताकि तकनीकी स्वीकृति के लिए फाइल उच्च अधिकारियों के पास न पहुंचे और उन्हें इसकी जानकारी न हो। रॉक गार्डन के नाम पर 16 लाख 79 हजार रुपये का एस्टीमेट तैयार किया गया, जो चार हिस्सों में बांटा गया था, और प्रत्येक हिस्से का अनुमान पांच लाख रुपये से कम रखा गया। हालांकि, एक ही निर्माण स्थल पर किए जाने वाले कार्यों का अलग-अलग हिस्सों में एस्टीमेट नहीं तैयार किया जाता। इन चार हिस्सों में पत्थरों के लिए 7 लाख 38 हजार रुपये और अन्य निर्माण कार्यों के लिए 9 लाख 80 हजार रुपये का प्रावधान रखा गया है। एस्टीमेट में यह भी कहा गया था कि यहां कार्पेट ग्रास भी लगाई जानी थी, लेकिन धरातल पर पत्थरों के अलावा कहीं भी घास दिखाई नहीं दी।

हाईकोर्ट ने हटाई पुलिस आरक्षक भर्ती 2023-24 पर लगी रोक

बिलासपुर,04 दिसम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने पुलिस आरक्षक भर्ती 2023-24 पर लगी रोक हटा दी है। बुधवार को इस मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस राकेश मोहन पाण्डेय की बेंच ने रोक हटा दी है।

स्कूल से गोल मारने वाले गुरुजी सहित 5 कर्मचारी बर्खास्त

बलौदाबाजार,04 दिसम्बर 2024 (ए)। बलौदाबाजार कलेक्टर ने स्कूल से लंबे समय से गैर हाजिर रहने वाले 5 शिक्षकों को बर्खास्त कर दिया है। इनमें शिक्षक के अलावा सहायक ग्रेड तीन के कर्मचारी शामिल हैं। बर्खास्तगी की कार्रवाई छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के तहत की गई है।

कलेक्टर के आदेश के मुताबिक, विकासखंड सिमगा के विभिन्न स्कूलों में पदस्थ तीन शिक्षक और दो सहायक ग्रेड तीन के कर्मचारी पर कार्रवाई हुई है। इन सभी कर्मचारियों पर आरोप है कि ये लोग अनाधिकृत रूप से लंबे समय तक अपनी ड्यूटी से नदारद थे, जिसके कारण उन्हें बर्खास्त किया गया।

जिन कर्मचारियों पर कार्रवाई हुई है उनमें अमित बहादुर,सहायक शिक्षक, शासकीय प्राथमिक शाला रिंगनी, विकासखंड सिमगा,कल्पना कश्यप ङ्क सहायक शिक्षक, शासकीय प्राथमिक शाला मोपर, विकासखंड सिमगा,गीतेंद्र सिंह ध्रुव सहायक शिक्षक, शासकीय प्राथमिक शाला छेरकाडीह, विकासखंड सिमगा,शरद कुमार यादव सहायक ग्रेड तीन, शासकिय उच्च माध्यमिक विद्यालय केसदा,गौरव कुमार साहू सहायक ग्रेड तीन, शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कामता शामिल हैं।

माओवादियों का खात्मा हुआ तेज

नक्सल मुक्त हुए ये दो जिले

जगदलपुर,04 दिसम्बर 2024 (ए)। तीन दशकों से प्रदेश और बस्तर के लिए सर दर्द बना माओवाद संगठन अब धीरे धीरे कमजोर होता जा रहा है। 24 साल के संघर्ष में अब सफलतायें भी जवानों को लगातार मिल रही हैं। माओवादियों के कब्जे वाले कई इलाकों को भी मुक्त किया जा रहा है। यही कारण है कि माओवादियों के बड़े लीडर या तो मुठभेड़ में मारे जा रहे हैं या फिर आत्म समर्पण कर रहे हैं। वहीं सुरक्षा बलों के बढ़ते दबाव के चलते ही संभाग के दो जिले अब नक्सल मुक्त हो गए हैं। बस्तर आई जी सुन्दर राज पी ने जानकारी देते हुए बताया कि सरकार द्वारा किये जा रहे अंदरूनी इलाकों में विकास कार्यों और सुरक्षा बलों द्वारा चलाये जा रहे नक्सल ऑपरेशन से दोनो जिलों में काफी हद तक घटनाएं कम हुई हैं। और बस्तर-कोंडागांव में सक्रिय माओवादी काफी हद तक खत्म हो चुके हैं।

उन्होंने बताया कि दोनों जिलों के कई कमेटी भी ख़त्म हो चुकी हैं, जिसके कारण ही अब दोनों जिला नक्सल मुक्त हो गया है और संभाग के भी कई जिलों में चल रहे ऑपरेशन से आने वाले दिनों में कई जिले भी नक्सल मुक्त किये जाएंगे।

स्वास्थ्य विभाग ने जूनियर डॉक्टर्स को दी संविदा नियुक्ति

रायपुर,04 दिसम्बर 2024 (ए)।राज्य सरकार ने एमबीबीएस 2017-2018 बैच के 87 जूनियर डॉक्टर्स को अनुबंध के तहत 2 साल के लिए संविदा सेवा पर विभिन्न अस्पतालों पर नियुक्त किया है. लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने इसका आदेश पत्र जारी किया है।

कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल

रायपुर के 70 वार्डों में सफाई-पेयजल आपूर्ति ठप

रायपुर,04 दिसम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ के रायपुर नगरीय निकाय प्लेसमेंट कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल चले गए हैं। कर्मचारी सीधा वेतन भुगतान और 4000 रुपए श्रम सम्मान राशि की मांग कर रहे हैं। हड़ताल के कारण रायपुर के 70 वार्डों में आज सफाई और पेयजल आपूर्ति ठप हो गई। सभी कर्मचारी ठेकेदारों के माध्यम से कम वेतन पर काम का विरोध कर रहे।दरअसल, पूरे प्रदेश में करीब 20 हजार से ज्यादा कर्मचारी प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं रायपुर के करीब 400 से ज्यादा प्लेसमेंट कर्मचारी प्रदर्शन कर रहे हैं। कर्मचारी ठेका प्रथा बंद करने की मांग कर रहे हैं। कर्मचारियों का कहना है कि, अगर अधिकारियों से उनकी बात नहीं बनेगी तो वे अनिश्चितकालीन हड़ताल को जारी रखेंगे। बता दें कि 184 नगरीय निकायों, 14 नगर निगम, 50 नगर पालिका और 120 नगर पंचायतों में प्लेसमेंट कर्मचारी कार्यरत हैं। प्लेसमेंट कर्मचारी वेतन को लेकर काफी समय से परेशान हैं। इतना ही नहीं निकायों में कार्यरत कर्मचारियों को नियमित करने की मांग को लेकर पिछले लंबे अरसे से शासन से मांग की जा रही है। लेकिन न तो कांग्रेस सरकार ने ध्यान दिया और न ही भाजपा सरकार ध्यान दे रही है। बल्कि शासन प्लेसमेंट एजेंसी को हर साल करोड़ों रुपए कमीशन के रूप में भुगतान कर रहा है। यदि निकाय से ही प्लेसमेंट कर्मियों को सीधे वेतन का भुगतान हो तो शासन का करोड़ों रुपए हर साल बचेगा।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)